दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 307

ग्वालियर, बुधवार 27 जुलाई 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर रक्षामंत्री राजनाथ और तीनों सेना प्रमुखों ने कारगिल युद्ध के शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

23वां कारगिल विजय दिवस : सैन्य अफसरों ने द्रास में युद्ध स्मारक पर शहीदों के बलिदान को याद किया, कारगिल युद्ध स्मारक पर हेलीकाप्टरों से की गई पुष्प वर्षा

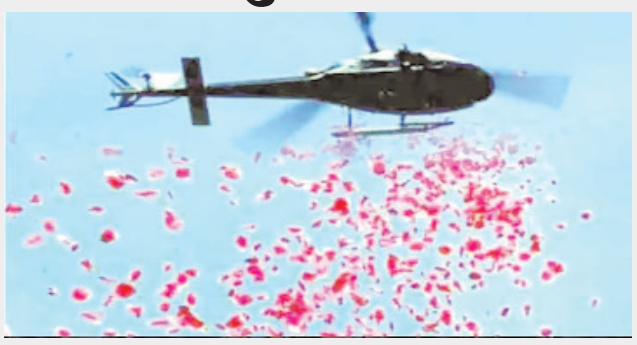

नई दिल्ली। भारतीय सेना आज 23वां कारगिल विजय दिवस मना रही है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेना प्रमुखों ने 1999 कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। असाधारण वीरता की प्रतीक कारगिल की चोटियां आज 23वें कारगिल विजय दिवस पर बलिदानियों की वीरता के किस्सों से गूंज उठी हैं। उधर मंगलवार सुबह, 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण समारोह आयोजित किया गया। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने यहां कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। द्रास में देशभक्ति का जज्बा सिर चढ़कर बोल रहा है। कारगिल की चोटियों पर चढ़े वीरों व बलिदानियों के स्वजन को अपने बीच पाकर सेना के जवानों के हौसले भी बुलंद हैं। आपको बता दें कि वर्ष 1999 में 26 जुलाई के दिन ही भारत ने पाकिस्तान पर कारगिल युद्ध में विजय प्राप्त की थी, जिसकी याद में हर वर्ष इस तारीख को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी फूलों से सजाए गए द्रास युद्ध स्मारक पर मंगलवार को बलिदानियों को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके बाद सेना के हेलीकाप्टरों ने कारगिल युद्ध स्मारक पर आसमान से पुष्प वर्षा की। इसमें लद्दाख की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाली 14वीं कोर के अधिकारियों के साथ लद्दाख प्रशासन के अधिकारी भी शामिल हुए। आपको तीन दिवसीय कारगिल विजय दिवस समारोह 24 जुलाई को शुरू हुआ था। इस दिन देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी जम्मू कश्मीर में सेना के जवानों के बीच मौजूद रहे। दूसरे दिन यानी 25 जुलाई को, कारगिल में आर्मी कमांडर के साथ वीर नारियों, वीर माताओं, कारगिल युद्ध के नायकों के साथ द्रास के लमोचन व्यू प्वाइंट पहुंचने पर 23 साल पहले लड़े गए युद्ध की यादें ताजा हो आई। लमोचन में जब वीरों ने चोटियों की तरफ इशारा कर उन्हें जीतने के लिए बलिदान हुए साथियों की असाधारण वीरता के किस्से सुनाए तो वीरनारियों और वीर माताओं की आंखें भर आई।

पीएम मोदी का पूर्व राष्ट्रपति कोविंद को पत्र, आपके साथ काम करना सौभाग्य की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की तारीफ कर कहा कि उन्होंने भारत के राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सिद्धांतों, ईमानदारी, कामकाज, संवेदनशीलता और सेवा के उच्चतम मानकों को स्थापित किया। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद को पीएम मोदी ने यूपी के एक छोटे से गांव से राष्ट्रपति भवन तक की उनकी व्यक्तिगत यात्रा की सराहना कर कहा कि यह ''हमारे देश के विकास के लिए एक दृष्टांत और हमारे समाज के लिए एक प्रेरणा है। बतौर राष्ट्रपति कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हुआ और 25 जुलाई को द्रौपदी मुर्मू ने भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण की। कोविंद को लिखे पत्र में पीएम ने कहा, अपने पूरे जीवन और करियर में आपने दृढ़ संकल्प तथा गरिमा बनाए रखी, हमारे संविधान के सिद्धांतों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता, सर्वोच्च सम्मान एवं जिम्मेदारी दिखाई। पीएम मोदी ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान कोविंद ने कई कार्यों, हस्तक्षेप और संबोधनों के जरिए देश और दुनिया में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधित्व किया है। प्रधानमंत्री ने कोविंद से कहा कि पिछले पांच वर्षों में उन्होंने हमेशा समय और खुले मन से परामर्श दिया। उन्होंने कहा, मैं आगे भी आपकी सलाह लेता रहूंगा। राष्ट्रपति जी, आपके प्रधानमंत्री के रूप में आपके साथ काम करना एक वास्तव में सौभाग्य था। कोविंद ने पत्र साझा कर ट्वीट किया, मैं इन मार्मिक तथा दिल को छूने वाले शब्दों को उस प्यार और सम्मान के रूप में स्वीकार करता हूं, जो साथी नागरिकों ने मुझे दिया है। मैं वास्तव में आप सभी का आभारी हूं।''

नेशनल हेराल्ड केस में दूसरी बार ईडी के समक्ष पेश हुईं सोनिया गांधी, पुलिस ने राहुल को हिरासत में लिया

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी नेशनल हेराल्ड केस से जुड़े धनशोधन मामले में मंगलवार को दूसरे दौर की पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुईं। वह अपने बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ पूर्वाह्न करीब 11 बजे एपीजे अब्दुल कलाम रोड स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचीं। प्रियंका गांधी एजेंसी के कार्यालय में ही रुकी रहीं, वहीं राहुल तुरंत ही वहां से निकल गए। इसके कुछ देर बाद ईडी द्वारा सोनिया गांधी से पूछताछ के विरोध में राहुल गांधी विजय चौक पर बैठ कर धरना देने लगे। उनके साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता भी धरने पर बैठ गए। दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने राहुल समेत अन्य कांग्रेसियों को वहां से उठा दिया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा यहां सभी कांग्रेसी सांसद आए। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी की बात की। पुलिस हमें यहां बैठने नहीं दे रही है। संसद के अंदर चर्चा की अनुमति नहीं है और यहां हमें गिरफ्तार कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिया गया और किंग्सवे पुलिस कैंप में रखा गया। सोनिया गांधी (75) से पहली बार 21 जुलाई को मामले में 2 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। तब उन्होंने एजेंसी के 28 सवालों के जवाब दिए थे। ईडी कांग्रेस द्वारा प्रमोटेड अखबार 'नेशनल हेराल्ड' का मालिकाना हक रखने वाली 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रहा है। कांग्रेस ने अपने शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ ईडी की कार्रवाई की निंदा की है और इसे राजनीतिक प्रतिशोध वाला कदम करार दिया है। सन 2013 में भाजपा के सांसद सुब्रह्मण्यम स्वामी की एक निजी आपराधिक शिकायत के आधार पर यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दिल्ली की एक निचली अदालत ने आयकर विभाग की जांच का संज्ञान लिया था। ईडी ने पिछले साल के अंत में धन शोधन रोकथाम कानून के आपराधिक प्रावधानों के तहत एक नया मामला दर्ज करने के बाद गांधी परिवार से पूछताछ शुरू की।

आम के आम गुठलियों के भी दाम, अब दूध ही नहीं किसानों से अच्छे दामों पर गोबर भी खरीदेगी एनडीडीबी

नई दिल्ली। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें तरह-तरह के उपाय कर रही हैं। ऐसे ही उपाय के तहत नेशनल डेरी डेवलपमेंट बोर्ड की कंपनी अब दूध के साथ गोबर भी खरीदेगी। गाय-भैंस के गोबर का बिजली बनाने, गैस बनाने और जैविक खाद बनाने में इस्तेमाल किया जाएगा। अब तक जिस गोबर का किसान को कोई मूल्य नहीं मिलता था, अब वह भी आय का साधन बन जाएगा। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने इस काम को आगे बढ़ाने के लिए एनडीडीबी की एक सब्सिसिडयरी कंपनी एनडीडीबी मृदा लिमिटेड की शुरूआत की है। इसी कंपनी के द्वारा किसानों से गोबर खरीदा जाएगा। कंपनी इससे बिजली, गैस और जैविक खाद बनाने में इस्तेमाल करेगी। कंपनी की शुरुआत के मौके पर रूपाला ने कहा एनडीडीबी मृदा लिमिटेड डेयरी किसानों को घोल/गोबर की बिक्री से अतिरिक्त आय के रास्ते खोलेगी। इस पहल से गोबर गैस मिलेगी, जिससे घर में खाना बनेगा। घर में ही बायोगैस मिलने से किसानों का ईंधन के मद में होने वाले खर्च की बचत होगी। इस परियोजना को व्यापक रूप से शुरु करने से पहले इसका छोटे स्तर पर टेस्ट किया जा चुका है। गुजरात में आणंद के पास जकरियापुरा और मुचकुआ गांव में परीक्षण किया जा चुका है। वहां परीक्षण सफल पाया गया।

न्यूड फोटोशूट को लेकर बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह के खिलाफ मुंबई में केस दर्ज

मुंबई। मुंबई पुलिस ने सोशल मीडिया पर प्रसारित आपत्तिजनक तस्वीरों को लेकर बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। जानकारी के अनुसार रणवीर के खिलाफ मुंबई के चेंबूर पुलिस थाने में एनजीओ की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। दरअसल अभिनेता ने सोशल मीडिया पर अपनी न्यूड तस्वीरों को पोस्ट किया था। इस लेकर एनजीओ ने चेंबूर पुलिस थाने में वकील के जरिए लिखित शिकायत की थी। एफआईआर पर मुंबई पुलिस ने बताया है कि अभिनेता रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी शर्टलेस तस्वीरें पोस्ट कीं और उन्हें एक पेपर पत्रिका के लिए बड़ी रकम कमाने और समाज के युवाओं को भ्रष्ट करने या समाज को खराब करने की कोशिश करने के इरादे से शूट किया। साथ ही उनके कृत्य से महिलाओं के मन में शर्मिंदगी हुई। बता दें कि पुलिस अधिकारी ने बताया था कि एनजीओ के पदाधिकारी ने कहा है कि अभिनेता ने अपनी तस्वीरों से महिलाओं की भावनाओं को आहत किया और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

जन्मदिन के दिन आज जेल से बेल पर बाहर सोमेन्द्र कंकरायने

रितेश कटरे
ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

बालाघाट जिले की लांजी तहसील में आखिरकार 70 दिन बाद लगे ग्रहण का अंत हो गया है और हाईकोर्ट जबलपुर द्वारा डबल मनी मामले में 4 आरोपियों की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है । बालाघाट जिले के लांजी बोलेगांव सहित समुचे क्षेत्र में अचानक सुर्खियों में आए डबल मनी मामले में बालाघाट पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए प्रमुख तीन लोगों सोमेन्द्र कंकरायने , हेमराज आमाडारे , अजय तिड़के सहित कुल 11 लोगों पर अपराध दर्ज करते हुए तामेश मंसुरे , हेमराज आमाडारे और प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमेन्द्र कंकरायने , प्रदीप कंकरायने , तामेश मंसुरे , राकेश मनोज सोनेकर को 5 करोड़ रुपये नगद राशि बरामद की थी । वहीं मुचलके पर जमानत दे दी है। माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया था , जिसके बाद न्यायालय द्वारा जमानत आवेदन को निरस्त करते हुए जेल भेजने के आदेश दे दिये थे , इस मामले में निरंतर हाईकोर्ट में जमानत के लिये लगाए गए आवेदनों पर निरंतर सुनवाई करते हुए जिसके बाद संभवतः आज 27 जुलाई की शाम बालाघाट जेल में बंद 4 आरोपियों की रिहाई हो सकती हैं । गौरतलब है कि डबल मनी मामले में पिछले 70 दिन से जेल में बंद सोमेन्द्र कंकरायने का आज 27 जुलाई को जन्मदिन है , वहीं सोमेन्द्र पर पुरे गांव और आसपास के लोगों का ना सिर्फ बड़ा भरोसा कायम है , बल्कि लोग दिलों जान से सोमेन्द्र कंकरायने को चाहते हैं । सोमेन्द्र कंकरायने की उनके जन्मदिन से पूर्व जमानत स्वीकार किये जाने पर क्षेत्र में हर्ष की लहर है । बेल स्विकार की खबर लगते ही बड़ी संख्या में समर्थक बालाघाट उपजेल पहुंचकर सोमेन्द्र का स्वागत सत्कार करने आतुर रहें। वहीं जमानत मंजूर किये जाने की खबर सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद लांजी क्षेत्र में समर्थकों ने पटाखे फोड़कर खुशी जाहिर की है।

सत्य प्रताड़ित हो सकता हैं पराजित नहीं

डबल मनी मामले में सोमेन्द्र कंकरायने और टीम को मिली जमानत के बाद पुरे क्षेत्र में इसी बात की चर्चा हो रही है कि शांत क्षेत्र में अशांति और खौफ का माहौल तैयार किया गया जिसे कतयी भुलाया नहीं जा सकता है और एक बात यह भी सत्य है कि सत्य प्रताड़ित हो सकता हैं पराजित नहीं। इस बात को लेकर गहमागहमी रही। वहीं क्षेत्रवासियों में यह भी गुफ्तगू रहीं की क्षेत्र की अमन और शांति अपने जन्मदिन पर लौट आ रही है।

गंगा नदी में प्रदूषण को लेकर वरुण गांधी ने मोदी सरकार पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और सांसद वरुण गांधी ने गंगा नदी में प्रदूषण का मुद्दा उठाकर केंद्र सरकार से सवाल किया कि नमामि गंगे परियोजना के तहत 11,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाने के बावजूद यह ''जीवनदायिनी' नदी प्रदूषित क्यों है और इसकी जवाबदेही किसकी है? उन्होंने ट्वीट में कहा, ''गंगा हमारे लिए सिर्फ नदी नहीं, मां है। करोड़ों देशवासियों के जीवन, धर्म और अस्तित्व का आधार है मां गंगा। इसलिए नमामि गंगे पर 20,000 करोड़ रुपये का बजट बना। अब तक 11,000 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद नदी में प्रदूषण क्यों?''

एक माह होने का आया, लेकिन अभी शिंदे सरकार का कैबिनेट का गठन नहीं हो पाया

मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे का तख्तापलट कर सत्ता पर एकनाथ शिंदे के काबिज हुए एक महीने होने जा रहे हैं, लेकिन अभी तक मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हुआ है। सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ही मिलकर सरकार चला रहे हैं, लेकिन कैबिनेट को लेकर स्थिति साफ नहीं हो रही है। इसके बाद सभी के मन में एक सवाल उठ रहा है कि किस फॉर्मूले पर कैबिनेट का गठन होगा और कितना बड़ा होगा। बीजेपी और शिंदे गुट से कितने-कितने नेता मंत्री बनने वाले हैं। बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा में कुल सदस्यों की संख्या 288 है। इसके बाद संवैधानिक रूप से 15 फीसदी ही मंत्री बन सकते हैं। इसका मतलब ये है कि महाराष्ट्र में ज्यादा से ज्यादा 42 लोग ही मंत्री बन सकते हैं। इसमें मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम शामिल हैं। इसके बाद महाराष्ट्र कैबिनेट में 40 मंत्री के लिए जगह है, लेकिन अब सवाल यही उठता है कि शिंदे सरकार अपनी कैबिनेट में कितने लोगों को शामिल करती है। 30 जून को शिंदे ने मुख्यमंत्री और फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इस तरह से सरकार गठन के करीब 26 दिन हो गए हैं, लेकिन कैबिनेट विस्तार नहीं हो सका। राष्ट्रपति चुनाव के बाद महाराष्ट्र में कैबिनेट गठन की बात कही जा रही थी। इस लिहाज से राष्ट्रपति चुनाव के शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी चुका है। इसके बाद अब सभी की निगाहें इस बात पर है कि कैबिनेट गठन कब होगा और कैसे शिंदे-फडणवीस आपस में मंत्रालय का बंटवारा करते हैं। दरअसल, जहां शिवसेना के बागी गुट में सीएम शिंदे को छोड़कर 8 पूर्व मंत्री हैं। उद्धव के खिलाफ शिंदे के साथ बगावत करने वाले 9 मंत्री थे, जिसमें 5 कैबिनेट और चार राज्यमंत्री शामिल थे। इसके बाद शिंदे सीएम बनने के बाद 8 नेता अभी भी मंत्री बनने की राह देख रहे हैं। इसके अलावा शिवसेना के दूसरे बागी नेताओं को भी मंत्री बनाने का आश्वसन दिया गया था, जो मंत्री बनने की आस लगाए बैठे हैं।

हालांकि, उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली महा विकास अघाड़ी सरकार में शिवसेना कोटे से 10 कैबिनेट और चार राज्यमंत्री थे। शिंदे के साथ फिलहाल शिवसेना के 40 विधायक हैं। महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल गठन को लेकर हलचल तेज हो गई है।

खास खबर

इंजीनियरों को करना पड़ रही है बाबू की नौकरी

बीजिंग। चीन में रिसर्च एजेंसी द्वारा डाटा जारी किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार 16 से 24 साल के युवाओं में बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ रही है। इंजीनियरिंग की डिग्री लेने वाले युवाओं को इंजीनियर की नौकरी नहीं मिल रही है। इंजीनियर कार्यालयों में बाबू बनने के लिए मजबूर हो रहे हैं। चीन में करीब डेढ़ करोड़ युवाओं ने सरकारी नौकरी के लिए आवेदन किए हैं। लेकिन नौकरी उपलब्ध नहीं है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के देशों में चीन में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा स्तर पर पहुंच गई है। रिपोर्ट के अनुसार चीन में बेरोजगारी की दर 19.30 की दर पर पर पहुंच गई है। चीन की तुलना में अमेरिका में बेरोजगारी की दर इससे आधी है। कोरोना बीमारी के कारण चीन की सरकार द्वारा जो लॉकडाउन लगाने और कड़ी नीतियां बनाई गई। उसके कारण कंपनियों ने कर्मचारियों की छटनी की। जिसके कारण चीन की बेरोजगारी बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। आर्थिक मंदी के कारण चीन में बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या बनकर सामने है।

केंद्रीय मंत्री का आरोप, विपक्ष चर्चा से भाग रहा, सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा को तैयार

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र काफी हंगामेदार हो रहा है। सातवें दिन भी जमकर हंगामा हुआ और राज्यसभा के 19 विपक्षी सांसदों पर गाज भी गिरी। बता दें कि विपक्षी सांसद जीएसटी, महंगाई सहित कई अन्य मुद्दों को लेकर सदन में जमकर हो-हल्ला मचा रहे हैं। इसकारण सदन की कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। इस बीच केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्ष पर सदन को सुचारू ढंग से नहीं चलने देने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है। सरकार सदन में महंगाई को लेकर भी चर्चा कराना चाहती है और बताना चाहती है कि कैसे बाकी देशों के मुकाबले भारत में महंगाई कम रही है। उन्होंने कहा कि हम भी सदन में बताना चाहते हैं कि कैसे जीएसटी काउंसिल में आप, कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी, डीएमके, टीआरएस ने मिलकर सर्वसम्मति से जो निर्णय लिए उस पर भी सदन नहीं चलने दे रहे हैं। विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, क्योंकि वह अपनी जिम्मेदारियों में विफल रहा है। लोकसभा के 4 सदस्यों को सोमवार को मौजूदा सत्र की शेष अवधि से निलंबित करने के एक दिन बाद मंगलवार को राज्यसभा के 19 विपक्षी सांसदों पर भी गाज गिरी।

भारी बारिश के चलते एमपी में नदी-नाले उफान पर, 31 जिलों में मूसलाधार वर्षा का अलर्ट

भोपाल। मानसून मध्य प्रदेश में अपना रंग दिखा रहा है यहां भारी बारिश का दौर जारी है। सोमवार की रात राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के कई जिले तरबतर रहे। वहीं मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में प्रदेश के 31 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बताई है। साथ ही नरसिंगपुर जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में बताया कि बीते 24 घंटे में मुंगावली में सर्वाधिक 10 सेमी बारिश दर्ज की गई है। इसके साथ ही रायसेन, पाली छपरा, संबलगढ़ में 8 सेमी बारिश हुई है। कोलार, नवीबाग, जावद और मंडला में सबसे कम 5 सेमी बारिश देखने को मिली है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए शहडोल और चंबल संभाग में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। इसके साथ ही रीवा, सागर, जबलपुर, उज्जैन, इंदौर, नर्मदापुरम, भोपाल और ग्वालियर संभाग के लिए भी यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में बताया कि ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर कलां, शिवपुरी, गुना, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, डिंडोरी, जबलपुर, सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, भोपाल, राजगढ़, नीमच और मंदसौर जिले में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इन जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके साथ ही नरसिंगपुर जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

अब बेहतर है स्वास्थ्य, अच्छाठा महसूस कर रहा हूं : बाइडन

वाशिंगटन। कोरोना से संक्रमित अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बताया कि उनके स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। व्हाइट हाउस ने नए टीके विकसित करने पर चर्चा के लिए एक शिखर सम्मेलन आयोजित करने की योजना बनाई है, जो सार्स-कोव-2 वायरस के अधिक संक्रामक स्वरूपों से ज्यादा प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम होगा। 'कंप्यूटर चिप' के निर्माण पर एक ऑनलाइन चर्चा में हिस्सा लेने के बाद बाइडन ने अपनी सेहत की जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें अब अच्छी नींद आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मजाक में कहा कि अब सुबह उनका कुत्ता उन्हें उठाता है। उन्होंने कहा मेरी पत्नी यहां नहीं हैं।

न्यूज़ ट्रैक....

अक्षर ने धोनी और पठान को पीछे छोड़ा

पोर्ट ऑफ स्पेन । वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के बल पर भारतीय टीम को जीत दिलाने वाले अक्षर पटेल ने एक और उपलब्धि अपने नाम की है। अक्षर ने 35 गेंदों पर नाबाद 64 रनों की पारी के दौरान 3 चौके और 5 छक्के लगाकर पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और ऑलराउंडर यूसुफ पठान को भी पीछे छोड़ दिया है। अक्षर से पहले धोनी ने साल 2005 में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन शानदार छक्के लगाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। धोनी के इस रिकॉर्ड की बराबरी यूसुफ पठान ने की थी। पठान ने साल 2011 में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ तीन छक्के लगाये थे। इस मैच में भारत ने जीत के साथ ही वेस्टइंडीजके खिलाफ लगातार 12वीं एकदिवसीय सीरीज जीती है। इसी के साथ ही उसने पाकिस्तान के जिम्बाब्वे के खिलाफ लगातार 11 एकदिवसीय जीत के रिकार्ड को पीछे छोड़ा है।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए नंदी बने महिला जिम्नास्ट टीम के कोच

नई दिल्ली । कोच बिशेश्वर नंदी को बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय महिला जिम्नास्टिक टीम का कोच नियुक्त किया गया है। नंदी रियो ओलंपिक 2016 में जिम्नास्ट दीपा कर्माकर के कोच थे। इसे पहले रोहित जायसवाल को महिला टीम का कोच नियुक्त किया गया था पर एक जिम्नास्ट ने उनपर बिना अनुमति के वीडियोग्राफी करने के आरोप लगाये थे जिसके बाद जायसवाल को राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर कर दिया गया था। नंदी ने कहा, '' मैंने एक दिन पहले वीजा संबंधी औपचारिकताएं पूरी की और मुझे कल तक वीजा मिलने की उम्मीद है। मैं 29 जुलाई तक टीम से जुड़ जाऊंगा।'' नंदी ने कहा कि वह टीम की प्रत्येक सदस्य का ध्यान रखेंगे। जायसवाल जिन खिलाड़ियों के कोच थे उन्हें कोई समस्या नहीं होगी।

शोएब अख्तर ने अपनी जिंदगी पर बनी फिल्म का टीजर साझा किया

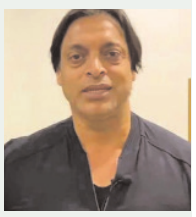

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज और रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर शोएब अख्तर की जिंदगी पर एक फिल्म रिलीज होने वाली है। अख्तर ने स्वयं सोशल मीडिया पर इस फिल्म का टीजर साझा किया है। इसमें वह कोहरे के बीच ही ट्रेन की पटरी पर दौड़ते दिख रहे हैं। यह फिल्म अगले साल नवंबर में रिलीज होगी। इसका नाम 'रावलपिंडी एक्सप्रेस , विपरीत परिस्थितियों में दौड़ना' रखा गया है। अख्तर ने सोशल मीडिया पर लिखा, इस खूबसूरत यात्रा की शुरुआत। मेरी कहानी, मेरी जिंदगी, मेरी बायोपिक के लॉन्च की घोषणा करते हुए हुई है। साथ ही कहा कि अगर आपका मानना है कि आप पहले से ही बहुत कुछ जानते हैं, तो आप गलत हैं। आप एक ऐसी सवारी के लिए तैयार हैं जिसे आपने पहले कभी नहीं लिया है। क्यू फिल्म प्रोडक्शन द्वारा पहली बार किसी पाक खिलाड़ी पर फिल्म बनायी जा रही है।

इंग्लैंड में फिर बरपा भारत के तूफानी गेंदबाज का कहर

काउंटी के दूसरे मैच में नवदीप सैनी ने दो गेंदों पर लिए दो विकेट

मेनचेस्टर। टीम इंडिया से बाहर चल रहे नवदीप सैनी ने काउंटी में कमाल की गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्होंने काउंटी चैम्पियनशिप डिवीजन-1 के मैच में केंट की तरफ से खेलते हुए लंकाशायर के खिलाफ मैच में लगातार दो गेंदों पर 2 विकेट लिए। उन्होंने लंकाशायर के टॉप ऑर्डर के तीन बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। सैनी की शानदार गेंदबाजी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पहले दिन का खेल समाप्त होने तक लंकाशायर की पारी के दौरान केंट की ओर से 34.2 ओवर फेंके गए, इसमें से अकेले सैनी ने 11 ओवर गेंदबाजी की। इसमें एक ओवर मेडन भी है। उन्होंने 45 रन दिए।

लंकाशायर ने 4 विकेट पर बना लिए हैं 112 रन : काउंटी चैम्पियनशिप का यह मुकाबला 25 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू हुआ। इस मैच में केंट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इस मैच के पहले दिन बारिश के कारण ज्यादा ओवर नहीं फेंका जा सके। महज 34 ओवर का ही खेल हुआ। लंकाशायर ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 4 विकेट के नुकसान पर 112 रन बना लिए हैं। टीम के लिए कप्तान स्टीवन क्रॉफ्ट और भारतीय ऑलराउंडर वॉशिंगटन नाबाद लौटे। क्रॉफ्ट 43 गेंदों का सामना कर 21 रन बनाए हैं। वहीं सुंदर 22 गेंदों का सामना कर 6 रन बनाए हैं। ये 6 रन उन्होंने सैनी की गेंद पर बनाए हैं। उन्होंने सैनी की 16 गेंदों का सामना किया। जिसमें एक चौका भी जड़ा। सैनी और सुंदर पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एक ही सीरीज से टीम इंडिया के लिए टेस्ट डेब्यू किया था।

काउंटी डेब्यू मैच में ही लिए थे 7 विकेट

सैनी ने वॉरविकशायर के खिलाफ खेलते हुए अपने डेब्यू मैच में भी कहर बरपाया था। उन्होंने पहली पारी में 18 ओवर में 75 रन देकर 5 विकेट लिए लिए थे। इसमें उन्होंने 4 ओवर मेडन फेंके थे। उन्होंने वॉरविकशायर के बेंजामिन, डेन मौसली, माइकल बुर्गेस, हेनरी ब्रूक्स और क्रेग माइलेस को अपना शिकार बनाया था। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 9 ओवर में 39 रन देकर 2 विकेट लिए थे। इसमें एक ओवर उन्होंने मेडन फेंका था।

टी-20 में ले चुके हैं 13 विकेट

सैनी ने भारत के लिए 13 टी-20 मैचों में 13 विकेट ले चुके हैं। वहीं अब तक खेले 2 टेस्ट मैचों में वे 4 विकेट ले चुके हैं, जबकि 8 वनडे मैचों में 6 विकेट चटकाए हैं।

मध्य प्रदेश के पूर्व रणजी कप्तान अशोक जगदाले का निधन

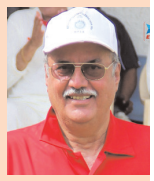

इन्दौर । म.प्र. रणजी टीम के पूर्व कप्तान और एमपीसीए के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक जगदाले का सोमवार को इन्दौर में 76 वर्ष की आयु में दुःखद निधन हो गया। पूर्व क्रिकेटर अशोक जगदाले के निधन पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ट्वीट कर शोक व्यक्त किया है। अशोक जगदाले के छोटे भाई और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व सचिव संजय जगदाले के अनुसार उनके बड़े भाई अशोक जगदाले रविवार देर रात नाक से खून बहने के बाद बेसुध हो गए थे और उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि आंतरिक रक्तस्राव से उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई और डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके।

राष्ट्रमण्डल खेलों से पहले एक और खिलाड़ी डोपिंग में पॉजिटिव पाई

नई दिल्ली । बर्मिंघम में गुरुवार से शुरु हो रहे राष्ट्रमण्डल खेलों से पहले भारत को एक और झटका लगा है। भारत की एक और खिलाड़ी डोपिंग में पॉजिटिव पायी गयी है। इस खिलाड़ी का नाम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि वह महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम में शामिल थी। इस खिलाड़ी का अब टीम से बाहर होना तय है। अब रिले टीम में केवल एक खिलाड़ी ही बची है। इससे पहले शीर्ष धाविका एस धनलक्ष्मी और त्रिकूद की ऐश्वर्या बाबू को प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाये जाने के बाद भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। धनलक्ष्मी प्रतियोगिता के अलावा दो परीक्षण में पॉजिटिव पाई गई जबकि ऐश्वर्या प्रतियोगिता के दौरान दो परीक्षण में विफल रहीं। धनलक्ष्मी के नमूने में एनाबोलिक स्टेरॉयड पाया गया जबकि चेन्नई में 13 और 14 जून को राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैंपियनशिप में लिए गए ऐश्वर्या के नमूनों में ओस्टेरिन पाया गया था।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने कहा कि शुरुआत में 37 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम में दुती चंद, हिमा दास, श्रावणी नंदा, एनएस सिमी, एस धनलक्ष्मी और एमवी जिल्ना को शामिल किया गया था पर बाद में जिल्ना को टीम में जगह नहीं मिली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को केवल 36 खिलाड़ियों का कोटा मिला है। धनलक्ष्मी के डोप परीक्षण में विफल रहने पर जिल्ना को टीम में शामिल किया गया था। डोपिंग की दोषी पाई गई खिलाड़ी को देर से टीम में शामिल किया गया हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। इससे पहले इस बीच पैरा चक्का फेंक खिलाड़ी अनीश कुमार और पैरा पावर लिफ्टर गीता भी प्रतिबंधित पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए गए। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अधिकारियों ने प्रतियोगिता के इतर नमूने एकत्रित किए। गीता एनाबोलिक स्टेरॉयड के पॉजिटिव पाई गई जबकि अनीश के नमूने में डाइयुरेटिक और मास्किंग एजेंट (प्रतिबंधित पदार्थ को परीक्षण में छिपाने वाले तत्व) हाइड्रोक्लोरोथियाजिड मिला। गीता को अस्थाई रूप से निलंबित किया गया है और कॉमनवेल्थ गेम्स की टीम से बाहर कर दिया गया है। दूसरी तरफ अनीश के राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेने की संभावना है क्योंकि उन्हें अस्थाई रूप से निलंबित नहीं किया गया है।

गाजा में एक फिलिस्तीनी लड़की ताइकवांडो का अभ्यास करती हुई।

अब कोच की भूमिका में दिखेंगे क्लूजनर

कोलकाता । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर लांस क्लूजनर अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। इस लीग का आयोजन अगले साल जनवरी और फरवरी में किया जाएगा। अपने जमाने के दिग्गज ऑलराउंडर रहे क्लूजनरक को क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने टी20 लीग टीम डरबन फ्रेंचाइजी का मुख्य कोच बनाया है। क्लूजनर ने दक्षिण अफ्रीका की ओर से 49 टेस्ट और 171 एकदिवसीय खेले हैं ओर वह अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम के कोच भी रहे हैं। डरबन फ्रेंचाइजी का मालिकाना अधिकार रखने वाले 'आरपीएसजी% समूह की ओर से जारी एक बयान में क्लूजनर को कोच बनाने की घोषणा की गयी। इस अवसर पर क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की ओर से 49 टेस्ट और 171 एकदिवसीय खेले क्लूजनर ने कहा, 'मेरे लिए यह नई चुनौती है। मैं इससे गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

पुकोवस्की सहित सात खिलाड़ी अगले माह भारत आएंगे

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज विल पुकोवस्की और सात अन्य खिलाड़ी अगस्त में एमआरएफ पेस फाउंडेशन में 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के लिए चेन्नई पहुंचेंगे। माना जा रहा है कि पुकोवस्की सहित अन्य खिलाड़ियों को भेजकर ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले साल अपने भारत दौरे की तैयारियों में लग गयी है। जोश फिलिप, टीग वायली, कूपर कोनोली, हेनरी हंट और स्पिनर मैट कुहनेमैन, टॉड मर्फी और तनवीर संघा अन्य खिलाड़ी हैं जो सात से 17 अगस्त तक प्रशिक्षण शिविर के लिए भारत जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया को साल 2023 के फरवरी-मार्च में 4 टेस्ट की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारत का दौरा करना है और टीम इसमें किसी भी हाल में जीत दर्ज कर पिछली हार का हिसाब बराबर करना चाहती है। पुकोवस्की ने पिछले साल जनवरी में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था पर मैच के दौरान उनका कंधा चोटिल हो गया था और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इसके बाद वह पिछले अक्टूबर में भी सिर में चोट लगने के कारण बाहर हो गये थे। उन्होंने हाल में मार्श शेफील्ड शील्ड फाइनल में 59 रन बनाकर अच्छी वापसी की है। श्रीलंका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया 'ए' टीम में उनका नाम नहीं था पर पुकोवस्की को शिविर में शामिल करने से पता चलता है कि भारत के टेस्ट दौरे के लिए उनके नाम पर विचार किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2023 के फरवरी-मार्च में भारत दौरे पर आएगी।इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया को भारत से 4 टेस्ट, तीन एकदिवसय और इतने ही टी20 की सीरीज खेलनी है। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के दूसरे चक्र का हिस्सा है और डब्ल्यूटीसी के फाइनल के लिहाज से यह अहम है. इसलिए ऑस्ट्रेलिया ने अभी से ही इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

॥ श्री ॥

अखिल भारतीय मैथिल ब्राह्मण महासभा मध्य प्रदेश ग्वालियर

पंजीयन क्र. 17433/2013

अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति दिल्ली

अन्तर्राष्ट्रीय कवि प्रज्ञान पुरुष पं. सुरेश नीरव

काव्य महोत्सव एवं अखिल भरतीय कवि सम्मेलन

अध्यक्षता पं. सुरेश नीरव अन्तर्राष्ट्रीय कवि

मुख्य अतिथि श्री श्रीधर पड़ाकर राष्ट्रीय संगठन मंत्री
अखिल भारतीय साहित्य परिषद

विशिष्ट अतिथि श्री श्री 108 श्री दामोदरदास जी महाराज

आमंत्रित कविगण

मधु मिश्रा दिल्ली | मधु चतुर्वेदी गजरौला (यू.पी.) | ऋचा सिन्हा मुम्बई | दिनेश दवे नागदा | राजेन्द्र विश्वकर्मा उज्जैन | डॉ. वीना मित्तल गाजियाबाद | रामवरण ओझा ग्वालियर | देवेन्द्र राही ग्वालियर | डॉ. अरविन्द कुमार बरुआ ग्वालियर

स्थान :- वेदास होटल ग्वालियर

दिनांक :- 31 जुलाई 2022 | समय :- 2 बजे दोपहर से

निवेदन

भरत चौहान मीडिया प्रभारी | अमित कुमार ओझा कार्यक्रम संयोजक

संरक्षक पं. मथुराप्रसाद शर्मा | सचिव पं. रवीन्द्र कुमार शर्मा | अध्यक्ष पं. रामवरण ओझा | पं. बाबूराम ओझा शास्त्री | पं. राधेश्याम ओझा | पं. मुन्नालाल ओझा | पं. डॉ. पुरुषोत्तम ओझा | पं. विजय कुमार ओझा | पं. विनोद कुमार ओझा | पं. गोपाल प्रसाद झा | पं. सुरेश झा ठेकेदार | पं. रमाशंकर ठेकेदार | पं. मुरारी लाल शर्मा

एवं समस्त कार्यकारिणी

सलमान की फिल्म अंतिम: द फाइनल ट्रुथ अक्टूबर में नहीं हो पाएगी रिलीज

कोरोना वायरस की महामारी के कारण देश में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। इससे फिल्म जगत भी अछूता नहीं रहा है। इससे कई फिल्मों के प्रोजेक्ट को टालना पड़ा है। अब जानकारी सामने आ रही है कि सलमान खान की फिल्म अंतिमः द फाइनल ट्रुथ अक्टूबर में रिलीज नहीं हो पाएगी। खबरों की मानें तो कोरोना वायरस के कारण मेकर्स को मौजूदा हालात को देखते हुए नहीं लगता कि अक्टूबर तक देश में स्थितियां सामान्य हो पाएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान की फिल्म अंतिम का अक्टूबर में रिलीज हो पाना मुश्किल लगता है। एक सूत्र ने कहा, सलमान की इस फिल्म से भावनात्मक लगाव है क्योंकि उनके बहनोई और अभिनेता आयुष शर्मा इस फिल्म में गैंगस्टर की भूमिका में दिखने वाले हैं। वहीं, सलमान को एक सिख पुलिस अधिकारी की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म का एक टीजर और आयुष का लुक फरवरी में जारी किया गया था। सूत्र ने बताया कि मेकर्स फिल्म का पहला पोस्टर मार्च के अंत मे लॉन्च करने वाले थे। पोस्टर में फिल्म की अक्टूबर में रिलीज की घोषणा की जानी थी। बताया जा रहा है कि कोरोना की दूसरी लहर को देखते हुए पोस्टर रिलीज का कार्यक्रम रद्द करना पड़ा है। मेकर्स ने स्थितियां सामान्य होने की प्रतीक्षा करने का विचार किया है। तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर फिल्म की टीम काफी सावधानी से कोई भी कदम उठा रही है। हाल में राधे की रिलीज को देखते हुए तय किया गया कि सलमान की दो फिल्मों को एक साथ प्रमोट करना ठीक नहीं होगा। इस लिहाज से दो फिल्मों के बीच एक अंतराल रखने का निर्णय लिया गया है। कहा जा रहा है कि अक्टूबर में थिएटर में कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इसके कारण इस फिल्म की रिलीज अक्टूबर में मुश्किल लगती है। अंतिम के निर्देशक महेश मांजरेकर ने बताया कि अक्टूबर तक थिएटर भी नहीं खुल पाएगा।

महेश अभी अपने घर पर फिल्म अंतिम

द फाइनल ट्रुथ की एडिटिंग और पोस्ट प्रोडक्शन के काम का निरीक्षण कर रहे हैं। अंतिमः द फाइनल ट्रुथ में सलमान के साथ उनके बहनोई आयुष मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसमें सलमान के साथ आयुष को जबरदस्त एक्शन में देखा जाएगा।

पूजा बिष्ट ने फ्लॉड में अपनी भूमिका के बारे में बताया

अभिनेत्री पूजा बिष्ट ने आगामी वेब-सीरीज फ्लॉड में अपनी भूमिका के बारे में जानकारी दी है। पूजा ने कहा, मैं सौम्या का किरदार निभा रही हूं। वह हर किसी की नजर में एक मजबूत, स्वतंत्र लड़की है, लेकिन साथ ही वह अपनी छोटी बहन और मां के साथ उसे छोड़कर दूसरी महिला के लिए अपने पिता की अनुपस्थिति के लिए भी सहन करती है। पूजा के कंधों पर जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, बस प्यार के विचार ने उसे परेशान कर दिया और इस वजह से वह किसी के साथ एक स्वस्थ संबंध बनाने में असमर्थ है और वह खुद को किसी के लिए खोलना नहीं चाहती है। फिर भी वह अपने जीवन में एक छोटा हिस्सा अपने पिता का चाहती है क्योंकि वह जिम्मेदारियों से थक गई है।

'कुमकुम भाग्य' के सीक्वल में नजर आएगी सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल की जोड़ी? बनेंगे 'अभि-प्रज्ञा'!

सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल के फैन्स के लिए बड़ी खुशखबरी है। फैन्स लंबे वक्त से बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि आखिर दोनों कब एक साथ किसी प्रॉजेक्ट में साथ नजर आएंगे। अब जल्द ही उनकी यह मुराद पूरी हो सकती है। खबर है कि सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल को 'कुमकुम भाग्य' के रीबूट या सीक्वल में अभि और प्रज्ञा के रोल में कास्ट किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह इशारा शो के कास्टिंग डायरेक्टर शदमान खान ने दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, शदमान खान ने कहा कि अगर 'कुमकुम भाग्य' का रीबूट या सीक्वल बना तो वह उसमें सिद्धार्थ शुक्ला को अभि के रोल में और शहनाज गिल को प्रज्ञा के रोल में कास्ट करना चाहेंगे। बता दें कि शदमान खान ने ही 'कुमकुम भाग्य' में अभि और प्रज्ञा के रोल के लिए कास्टिंग की थी, जो आज पॉप्युलर किरदार हैं। शो में फिलहाल अभि का रोल ऐक्टर शब्बीर अहलूवालिया और प्रज्ञा का किरदार श्रीति झा निभा रही हैं। अब देखना यह होगा कि 'कुमकुम भाग्य' का सीक्वल कब आएगा। वैसे फैन्स तो अभी इस न्यूज से एक्साइटेड हैं।

'बिग बॉस 15' का हिस्सा नहीं होंगी सुरभि चंदना

टीवी की दुनिया में 'बिग बॉस 15' को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। सलमान खान के इस शो में इस बार सिलेब्रिटीज के साथ ही आम लोगों की एंट्री भी होने वाली है। चर्चा है कि शो में रिया चक्रवर्ती से लेकर दिशा वकानी तक हिस्सा लेने वाली हैं। टीवी की दुनिया से एक बड़ा नाम सुरभि चंदना का था। बताया गया कि सुरभि भी 'बिग बॉस 15' में बतौर कंटेस्टेंट नजर आएंगी। लेकिन अब ऐक्ट्रेस ने खुद इन संभावनाओं से इनकार किया है।

रिलेशनशिप को ऑफिशल करने के लिए बेताब कटरीना

कटरीना कैफ और विकी कौशल ने भले ही अभी तक अपने रिश्ते को आधिकारिक नहीं किया हो, लेकिन सोशल मीडिया पर गलती से पोस्ट हुई उनकी तस्वीरों से हर किसी को उनके रोमांस की जानकारी हो गई है। हालांकि, दोनों के फैंस चाहते हैं कि जल्द ही उन दोनों का रिलेशनशिप ऑफिशल हो जाए। अब ये तो आने वाला समय ही बताएगा कि दोनों कब तक अपने रिश्ते पर मुहर लगाते हैं लेकिन कटरीना कैफ को विकी कौशल के स्क्रीन पर इंटिमेट सीन से आपत्ति है और वह अपने रिश्ते को सबके सामने लाना चाहती हैं। कटरीना कैफ और विकी कौशल ने साल 2021 का स्वागत एक साथ किया था यानी इस कथित कपल ने अलीबाग में न्यू ईयर मनाया था। इस दौरान उनके साथ सनी कौशल और इसाबेल कैफी भी थीं। हालांकि, दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात नहीं की है लेकिन खबरों की मानें तो दोनों के बीच सब ठीक नहीं चल रहा है। चर्चा है कि विकी कौशल के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक बनाने के लिए कटरीना कैफ बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। यह भी कहा जा रहा है कि ऐक्टर के पिता उन दोनों के रिश्ते को लेकर खुश नहीं हैं और उन्होंने अपने बेटे को इस बारे में सचेत कर चुके हैं। यह भी बताया जा रहा है कि कटरीना कैफ अब विकी कौशल के प्रेफेशनल लाइफ में अपनी जगह बना रही हैं और उन्होंने ऐक्टर की अपकमिंग फिल्मों में इंटिमेट सीन को लेकर अपनी आपत्ति व्यक्त की है। विकी कौशल फिल्म 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' में सारा अली खान के साथ नजर आएंगे। ऐसा लगता है कि कटरीना कैफ ने हिंट दे दिया है वह फिल्म में सारा अली खान के साथ कैमरे के सामने ज्यादा इंटिमेट न हों। बताते चलें कि इससे पहले विकी कौशल ने स्क्रीन पर तापसी पन्नू के साथ 'मनमर्जियां' में, कियारा आडवाणी के साथ 'लस्ट स्टोरीज' में, अंगीरा धर के साथ 'लव पर स्क्वायर फुट' में और शोभिता धूलिपाला के साथ 'रमन राघव' में इंटिमेट सीन किया हैं। लेकिन अब कटरीना कैफ को विकी कौशल के ऐसे सीन से असहज करते हैं। कैटरीना कैफ और विकी कौशल को बीते साल अंबानी की होली पार्टी में एक साथ देखा गया था। दिसंबर, 2020 में कटरीना कैफ ने अपने घर पर क्रिसमस की पार्टी रखी थी। इस पार्टी में विकी कौशल भी पहुंचे थे। इसके अलावा पार्टी में सिद्धार्थ मल्होत्रा, कबीर खान, अनन्या पांडे, ईशान खट्टर, अंगद बेदी और नेहा धूपिया भी शामिल हुई थीं।

ऑडिशन के बाद 'भाग मिल्खा भाग' से बाहर हुए थे विकी कौशल

अपनी परफॉर्मेंस और फिल्मों की चॉइस के जरिए विकी कौशल ने बॉलिवुड में सफलता की सीढ़ियां चढ़ी हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय में वह इंडस्ट्री के सबसे डिमांडिंग ऐक्टर्स में से एक हैं। हालांकि, एक वक्त ऐसा भी था जब उन्हें लगा था कि वह ऐक्टिंग नहीं कर सकते हैं।

दरअसल, यह किस्सा है फरहान अख्तर की फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' के ऑडिशन का जब विकी को रिजेक्ट कर दिया था। फिल्म में उन्हें एक जरूरी रोल ऑफर किया गया था। इसका खुलासा खुद विकी ने 2019 में एक इवेंट के दौरान किया था।

विकी ने बताया, 'मैंने पहली बार 'भाग मिल्खा भाग' के लिए ऑडिशन दिया। यह लीड रोल के लिए नहीं बल्कि उसके दोस्त के लिए था। आखिरकार उसे एडिट कर दिया गया। हरनीत त्रेहान कास्टिंग डायरेक्टर थे और वह इंडस्ट्री के सबसे प्यारे लोगों में से एक हैं। उन्होंने मेरे लिए 3 घंटे का वक्त निकाला।'

विकी ने आगे कहा, 'हरनीत ने मुझे अपने ऑफिस बुलाया और हम एक सीन को क्रैक करने की कोशिश कर रहे थे। उस दिन मुझे लगा कि मैं ऐक्ट नहीं कर सकता। मैं उन तीन घंटों में उनके बिहेवियर में देख सकता था कि वे सच में मुझसे ऐक्टिंग कराने की कितनी कोशिश कर रहे थे लेकिन मैं नहीं कर पा रहा था।' प्रफेशनल फ्रंट की बात करें तो विकी 'मसान', 'संजू', 'मनमर्जियां', 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं।

मैं अपने प्रशंसकों का प्रशंसक हूं : कार्तिक आर्यन

अभिनेता कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह स्टेज पर अपने प्रशंसकों से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया गया यह वीडियो एक लाइव परफॉर्मेंस की है, जो शायद किसी कॉलेज फेस्ट का मालूम पड़ता है। इसमें एक ऑडिटोरियम में स्टेज पर एक लड़की के साथ डांस करते दिखाई दे रहे हैं। एक समय ऐसा आता है, जब वह अपने घुटने के बल बैठकर लड़की के हाथ को चूम लेते हैं और उसे गले लगाते हैं। इसके साथ कार्तिक ने कैप्शन में लिखा है, क्या इसे फैंसेप्शन कहते हैं क्योंकि मैं अपने फैंस का फैन हूं? मैं हमेशा ये कर सकता हूं सिर्फ इस फीलिंग के लिए। इस पोस्ट को अब तक 1,985,625 व्यूज मिल चुके हैं और यह क्रम अब भी जारी है। कार्तिक का यह वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों को खूब भा रहा है। एक ने इस पर कमेंट करते हुए लिखा है, जो बेचारे अब कॉलेज नहीं जाते उनको कैसे मिलोगे आप..वो भी इस कोविड टाइम में। उनके किसी और प्रशंसक ने हार्ट ईमोजी के साथ लिखा है, कार्तिक आप काफी हैंडसम नजर आ रहे हैं और मैं इस वीडियो को देखकर हैरान हूं। आपके सबसे बड़े फैन की तरफ से ढेर सारा प्यार। एक यूजर ने यह भी लिखा है, यार हमें कब मौका मिलेगा? कार्तिक आने वाले समय में फिल्म भूल भुलैया 2 में नजर आने वाले हैं।

तेज दिमाग के लिए बच्चों को खिलाएं ये 7 फूड्स

सही भोजन आपकी याददाश्त, एकाग्रता और मस्तिष्क के कार्य को बेहतर बनाने में आपकी मदद कर सकता है. मस्तिष्क, शरीर के बाकी हिस्सों की तरह, हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन से पोषक तत्वों को अवशोषित करता है. इसलिए, बच्चों के लिए अधिक पौष्टिक भोजन का सेवन करना बहुत महत्वपूर्ण है. आइए जानें किन आहार को डाइट में शामिल कर सकते हैं.

अंडेः अपने बच्चे की नाश्ते की प्लेट में कार्ब्स, प्रोटीन और थोड़ी मात्रा में हेल्थी फैट देने से उन्हें पूरे दिन ऊर्जावान रहने में मदद मिलती है. अंडे में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है. इसके अलावा इसमें कोलीन होता है. ये स्मृति बढ़ने में सहायता करता है.

ऑयली फिशः ऑयली फिश में ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा अधिक होती है. ये मस्तिष्क के विकास और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है. ओमेगा -3 फैटी एसिड कोशिका के निर्माण के लिए आवश्यक होते हैं. सैल्मन, मैकेरल, ताज़ी टूना, ट्राउट, सार्डिन और हेरिंग जैसी मछलियों में ओमेगा -3 फैटी एसिड अधिक होता है और इसका सेवन सप्ताह में एक बार कर सकते हैं.

ओट्स/ओटमीलः दलिया और ओट्स मस्तिष्क के लिए ऊर्जा के अच्छे स्रोत होते हैं. इनमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो बच्चों को भरा हुआ महसूस करने में मदद करता है और उन्हें जंक फूड खाने से रोकता है. ये विटामिन ई, बी कॉम्प्लेक्स और जिंक से भी भरपूर होते हैं, जो बच्चों के दिमाग को तेज करने में मदद करते हैं. किसी भी टॉपिंग जैसे सेब, केला, ब्लूबेरी और बादाम का भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

रंगीन सब्जियांः रंगीन सब्जियां एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं, जो दिमाग की कोशिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद करती हैं. आप टमाटर, शकरकंद, कद्दू, गाजर, या पालक आपके बच्चे के आहार में शामिल कर सकते हैं. सब्जियों को स्पेगेटी सॉस या सूप में शामिल कर सकते हैं।

दूध, दही और पनीरः दूध, दही और पनीर में प्रोटीन और बी विटामिन की मात्रा अधिक होती है, जो मस्तिष्क के टिश्यू, न्यूरोट्रांसमीटर और एंजाइम के विकास के लिए आवश्यक हैं, ये सभी मस्तिष्क में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. इन फूड्स में कैल्शियम भी अधिक होता है, जो मजबूत और स्वस्थ दांतों और हड्डियों के विकास के लिए आवश्यक हैं।

अंगूर कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है जानिए इसके बेमिसाल फायदें

अंगूर कई पोषक तत्वों से भरपूर होते है इसका सेवन करने से कई तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है ये रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने का काम करता है अंगूर खाने में तो बहुत स्वादिष्ट होता है। अंगूर विटामिन ए ,विटामिन सी ,विटामिन बी के साथ -साथ पोटेशियम और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाए जाते है अंगूर में पर्याप्त मात्रा में कैलोरी ,फाइबर ग्लूकोज साइट्रिक एसिड तत्व पाए जाते है। अंगूर के सेवन से ब्लड प्रेशर कंट्रोल होता है हाई ब्लड प्रेशर वाले मरीजों को सलाह दी जाती है की हफ्ते में तीन से चार दिन अंगूर जरूर खाएं। जो लोग दिल की बीमारियां से पीड़ित है उनके लिए अंगूर का सेवन फायदेमंद होता है इसके रोकथाम के लिए अंगूर का सेवन लाभदायक है। अंगूर में विटामिन ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो आँखों के लिए बहुत लाभकारी मानी जाती है। वजन बढ़ाने के लिए भी अंगूर का सेवन किया जा सकता है इसके अलावा कब्ज की समस्या से भी अंगूर राहत दिलाता है। जो लोग काम के दौरान जल्दी थक जाते है उन्हें अंगूर का सेवन करना चाहिए अंगूर के सेवन से शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है।

विपक्ष को झटका

देश के 15वें राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू मिल चुकी हैं। दरअसल, इस चुनाव पर समूचे देश में नजर थी कि क्या चुनाव के बाद देश में राष्ट्रपति पद पर पहली बार एक आदिवासी महिला का चुनाव हो सकेगा। सांस्कृतिक-सामाजिक और धार्मिक विविधताओं से भरे देश में यह एक स्वाभाविक जिज्ञासा थी कि सर्वोच्च पद पर भी क्या हाशिये के तबकों और खासतौर पर आदिवासी समुदाय के बीच से किसी शख्सियत के दिखने की उम्मीद पूरी होगी। यह छिपा नहीं है कि आजादी के सात दशक बाद भी वंचित तबकों को प्रतिनिधित्व और भागीदारी हासिल करने के लिए कई स्तरों पर संघर्ष से गुजरना पड़ता है। अब द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए चुन लिए जाने के बाद यह कहा जा सकता है कि देश ने अपने लोकतांत्रिक स्वरूप को दिनोंदिन मजबूत किया है और इसमें सबकी सहभागिता सुनिश्चित करने की ओर ठोस कदम बढ़ाए हैं। राष्ट्रपति चुनाव में मतदान के दौरान अनेक राज्यों में कांग्रेस समेत कुछ विपक्षी दलों के विधायकों ने एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में वोट डाला है। पहले से विभाजित विपक्ष के लिए यह निश्चित ही एक झटका है। इसकी पृष्ठभूमि को ठीक से समझने के लिए हमें भाजपा और विपक्ष की रणनीतियों को देखना होगा। भाजपा ने बहुत सधे अंदाज में अपना दांव खेला, जबकि विपक्ष ने देर की। कुछ दशक पहले राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार का चयन बहुत पहले हो जाता था। संभावित नामों पर हर पहलू से विचार होता था और चयनित व्यक्ति को बता भी दिया जाता था कि उन्हें इसे अभी सार्वजनिक नहीं करना है, पर उन्हें तैयार रहना चाहिए। इस बार ममता बनर्जी ने बैठक बुलाई और विचार-विमर्श शुरू हुआ। पहले ऐसी बैठकें अंतिम प्रक्रिया होती थीं, जिनमें नाम की घोषणा होती थी। प्रारंभिक दौर में शरद पवार, फारूक अब्दुल्ला और गोपाल कृष्ण गांधी के नाम आए, पर तीनों ने उम्मीदवार बनने से मना कर दिया। इससे संकेत गया कि कोई विपक्ष की ओर से खड़ा ही नहीं होना चाहता। आखिरकार यशवंत सिन्हा का नाम सामने आया। किसी को भी यह अंदाजा नहीं था कि द्रौपदी मुर्मू भाजपा की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार होंगी। यह भी विपक्ष की एक विफलता है। आज सरकार में शामिल लोगों को पता है कि विपक्ष के भीतर क्या विचार-विमर्श चल रहा है, लेकिन विपक्ष को कोई भनक नहीं लग सकी। राजनीति में सामने खड़ी शक्ति के बारे में जानकारी रखना जरूरी होता है, तभी तो ठोस रणनीति बन सकेगी। भाजपा ने मुर्मू की उम्मीदवारी से बड़ा तीर मारा। देश के सर्वोच्च पद पर एक आदिवासी महिला का आसीन होना एक बहुत बड़ा संकेत है। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के साथ हिंदी पट्टी और पश्चिमी भारत में यह तबका राजनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। इनमें कई इलाकों में भाजपा का व्यापक वर्चस्व है। लेकिन स्वाभाविक रूप से दस साल की सत्ता के बाद कुछ एंटी-इनकंबेंसी तो होगी ही। उसकी भरपाई के लिए जनाधार में नये तबकों को लाना जरूरी है। इस संबंध में यह रणनीति अपनाई गई। भाजपा की रणनीति का दूसरा पहलू था पूर्वी भारत में गैर-भाजपा सरकारों को कमजोर करना। भाजपा की नजरें दक्षिण भारत के साथ पूर्वी भारत पर भी हैं। पूर्वी भारत के तीन राज्यों-पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड-में आदिवासी समुदाय में संथाल जनजाति की बड़ी संख्या है। द्रौपदी मुर्मू इसी जनजाति से आती हैं। वे ओडिशा से भी हैं। बंगाल के संथाल बहुल इलाकों में ममता बनर्जी का बड़ा जनाधार है। वह पकड़ अब धीरे-धीरे कमजोर होगी। इस चुनाव में विपक्ष 2024 के आम चुनाव के मद्देनजर अपनी एकता को विस्तार दे सकता था। भले ही मजबूत एकता के बाद भी यशवंत सिन्हा या विपक्ष का कोई उम्मीदवार जीत नहीं पाता, लेकिन भाजपा उम्मीदवार को अच्छी टक्कर दे सकते थे। विपक्ष यह तो देश की जनता को दिखा ही सकता था कि उसमें एकताबद्ध होने की क्षमता व संभावना है।

कहो तो कह दूं, ऐसा जुलुम मत करो, सब कुछ करना पर मुफ्तखोरी पर रोक मत लगाना

चैतन्य भट्ट

देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ़ साफ़ कह दिया कि भारत के लोगों को मुफ्तखोरी की जो आदत राजनैतिक दलों ने डाल दी है उसको अब बंद करना पड़ेगा रेवड़ियां बाँटने का सिलसिला देश के आर्थिक हालात की कमर तोड़ देगा द्य अभी तो प्रधान मंत्री ने घोषणा ही की थी कि बीजेपी ने तय कर लिया कि वो अपने चुनावी घोषणा पत्र में कोई भी चीज मुफ्त में देने का वादा नहीं करेगीद्य जब से मुफ्तखोरों ने ये बात सुनी है उनकी तो रात की नींद उड़ गयी है कितने बरस हो गए मुफ्तखोरी का आनंद उठाते उठाते द्य बिजली फ्री, अनाज फ्री, मकान फ्री, गैस सिलेंडर फ्री कितनी मजे से चल रही थी जिंदगी, न कमाने की चिंता न काम करने का टेंशन, सारी चीजे फ्री में मिल रही थी द्य जब जब चुनाव आता था तब तब कोई पार्टी लेपटॉप फ्री में देने की बात कहती थी तो कोई मुफ्त में स्कूटी प्रोवाइड करने तैयार था कोई बिजली फ्री में देने का वादा कर रहा था तो कोई पानी मुफ्त में देने की घोषणा कर रहा था और चुनाव जीतने के बाद ये तमाम चीजे फ्री फ़ोकट में मिल भी रही थी लेकिन अचानक से ये क्या हो गया कि देश के प्रधान मंत्री ने घोषणा कर की कि उनकी पार्टी अब कोई भी चीज मुफ्त में नहीं देगी द्य लाखों लोगों के दिल एकदम से टूट गए जो अभी तक मुफ्त का चन्दन घिस मेरे नंदन की तर्ज पर अपनी जिंदगी बिता रहे थे , जब से बीजेपी ने ये घोषणा की है तब से सबकी आशा भरी निगाहें अरविन्द केजरीवाल और उनकी पार्टी की तरफ लग गयी है जो पानी, बिजली सब मुफ्त दे रहे हैं दूसरे प्रदेश के लोग सोच रहे है कि या तो दिल्ली में बस जाएं या फिर पंजाब में जंहा तीन सौ यूनिट बिजली फ्री में मिल रही है, मध्यप्रदेश में तो बिजली के बिल कमर तोड़े पड़े हैं द्य मिडिल क्लास वालों से मनमाने रेट वसूल रही हैं बिजली कंपनियां, और उस पर भी घाटा ही घाटा दिखाये पडी हैं । अपनी तो समझ से बाहर है कि इतना पैसा आखिर जा किधर रहा है द्य अपना बीजेपी वालो से एक ही निवेदन है कि सब कुछ करो पर ऐसा जुलुम मत ढाओ मुफ्तखोरों पर । आपने और आपके राजनैतिक साथी दलों ने आम आदमी को अकर्मण्य बना दिया है, लेबर से काम करने कहो तो साफ़ मना कर देता है और कहता है पागल हो गए हो क्या बरसों हो गए काम करने की आदत तो कब की खत्म हो गयी है बस एक ही आदत बची है वो है मुफ्तखोरी की, जब घर बैठे सब कुछ मिल रहा है तो भगवान् के दिए हुए इस सुन्दर शरीर को क्यों तक्लीफ दें पर अब बड़ी मुश्किल हो जाएगी मुफ्तखोरों की जब सारी फ्री फ़ोकट की चीजे बंद हो जायेगी लेकिन उन्हें इस बात का संतोष है कि भले ही बीजेपी ने मुफ्तखोरी पर लगाम लगाने की घोषणा कर दी हो लेकिन अभी ऐसे और बहुत से दल है जो इस मुफ्तखोरी को बाकायदा चालू रखे हुए हैं और आगे भी जारी रखेंगे क्योकि उन्हें देश की अर्थ व्यवस्था से ज्यादा चिंता अपने वोटों की है और वोट तो मुफ्तखोरी से ही मिलते हैं इसमें तो कोई दो मत नहीं है

असली टाइगर आखिर कौन है

हाल ही में प्रदेश के मुख्यमंत्री अपने मामाजी शिवराज सिंह ने जनता के बीच आयोजित एक सभा में ऐलान कर दिया कि प्रदेश के असली टाइगर वो ही है और जो भी अपने को टाइगर आइगर समझता है उसे डंडे मार कर खदेड़ दो । इसके पहले कांग्रेस की सरकार गिराकर बीजेपी में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी कहा था कि टाइगर अभी ज़िंदा है अब अपने को तो समझ में ही नहीं आ रहा है कि किसको असली टाइगर माने और किसको नकली द्य अपने को तो मालूम था कि देश में टाइगरों की संख्या घट रही है इसलिए उनके संरक्षण के तमाम उपाय सरकारें कर रही है लेकिन यंहा तो टाइगरों की बाढ़ सी आ गयी है द्य आदमी टाइगर बन रहा है अब बेचारे जंगल के टाइगर बड़े ही पशोपेश में है कि जब इंसान टाइगर बनने लगा है तो उनका क्या होगा , ऐसा न हो कि ये टाइगर उनकी टेरेटरी में ही कब्जा जमा लें क्योकि नेताओ के पास तमाम अधिकार होते है वे किसके घर पर बुलडोजर चलवा दे किसको कब अलसेट दे दें कहना मुश्किल है , जब से इन लोगों की बात जंगल के टाइगरों ने सुनी है उन्हें चिंता हो रही हैं कि ऐसा न हो कि उनकी गुफा भी किसी दिन अवैध निर्माण बतला कर ढहा दी जाए , मुख्यमंत्री के इस ऐलान के बाद वे बड़े चिंतित से है कि उनका भविष्य क्या होगा

मुस्कुरा लाडले मुस्कुरा

जिंदगी फिल्म का बड़ा ही मशहूर गाना था मुस्कुरा लाडले मुस्कुरा इसी तर्ज पर फिलीपींस के एक मेयर ने सरकारी कर्मचारियों को आदेश दिया है कि उनके पास कोई भी आदमी यदि किसी काम से आता है तो उसका मुस्कुरा कर स्वागत करें और जो ऐसा नहीं करेगा उस कर्मचारी पर जुर्माना लगाया जाएगा द्य दरअसल उनसे शिकायत की गयी थी कि जब आम आदमी किसी काम से उनके दफ्तर जाता है तो कर्मचारी उनसे रूखा व्यवहार करते हैं इसलिए मेयर को ये आदेश जारी करना पड़ा लेकिन अपने देश में इसकी जरूरत नहीं है अपने देश के सरकारी अधिकारी और कर्मचारी तो हर आदमी का मुस्कुरा कर ही स्वागत करते है जैसे ही वे किसी को देखते है उनके चेहरे पर अपने आप मुस्कुराहट आ जाती है कि चलो एक और मुर्गा आया जो अपने वैध काम के बदले भी नोट देकर ही जाएगा क्योकि यंहा तो बिना गांधी जी के नोट के काम होता ही नहीं है , आप कितने ही साफ़ सुथरे वैध पेपर लेकर सरकारी डिपार्टमेंट में चले जाओ वे एक न एक लेक्यूना ढूंढ ही लेंगे और आप का काम लटक जाएगा, इसलिए आम आदमी जब भी किसी सरकारी दफ्तर में अपना काम लेकर जाता है तो पहले ही जेब में पांच पांच सौ के दो चार नोट रख ही लेता है उसे मालून है कि जब तक इनकी चमक सामने वाले को नहीं दिखाई देगी उसका काम होने वाला नहीं है और सामने वाला भी इसलिए मुस्कुरा कर उसका स्वागत करता है कि चलो आज की ऊपरी कमाई का कोटा तो पूरा हुआ । फिलीपीन्स के मेयर को चाहिए कि वे अपने कर्मचारियों को कुछ दिनों के लिए भारत के सरकारी दफ्तरों में ट्रेनिंग के लिए भेज दें वे एक सप्ताह में मुस्कुराना सीख जाएंगे और न आपको मुस्कुराने का आदेश जारी करना होगा और न ही किसी पर जुर्माना ही ठोंकना पड़ेगा ये बात अपन स्टाम्प पेपर पर लिख कर देने के लिए तैयार हैं।

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं। जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है।

जिद, जीत, जुनून और जज्बे का नाम है... जगदीप धनखड़

रमेश सर्राफ धमोरा

जिद, जीत, जुनून और जज्बे का नाम है जगदीप धनखड़। शनिवार को भाजपा नीत एनडीए ने उप राष्ट्रपति पद के लिए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। जगदीप धनखड़ राजस्थान के झुंझुनू जिले के छोटे से गांव किठाना के रहने वाले है। जब जगदीप धनखड़ पढते थे। तो इस गांव में ना तो सड़क थी और ना ही कक्षा पांच आगे पढने के लिए स्कूल। फिर भी जगदीप धनखड़ का पढने का जुनून इतना था कि वे पास के गांव में चार किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल में पढने जाया करते थे और फिर वापिस चार किलोमीटर पैदल चलकर आया करते थे। राजनीति के जरिए सेवा की वो जिद। उन्होंने जितने चुनाव जीते। उतने ही हारे। लेकिन कभी भी हौंसले को नहीं हारने दिया। झुंझुनू से दूर जाकर अजमेर भी एक चुनाव जीता तो एक हारे। इसका नाम ही है जगदीप धनखड़।

झुंझुनू के किठाना निवासी जगदीप धनखड़ का नाम आज सुर्खियों में इसलिए है कि क्योंकि उन्हें एनडीए ने अपना उप राष्ट्रपति पद का दावेदार बनाया है। बहुमत के आधार पर उनकी जीत भी सुनिश्चित मानी जा रही है। इसलिए ना केवल किठाना, झुंझुनू बल्कि पूरे राजस्थान में खुशी की लहर है। उनके जीवन के संघर्ष और आगे बढने की जिद आज उन्हें देश के दूसरे सबसे बड़े पद तक पहुंचाने में कामयाब हुई है। उनके साथ पढने वाले और बुहाना के पूर्व प्रधान हरपालसिंह ने बताया कि जब कक्षा छह और सात में जगदीप धनखड़ अपने गांव से पैदल पढने के लिए आते थे। तो हर कोई बच्चा उनसे प्रेरणा लेता था। हालांकि हरपालसिंह स्कूल में जगदीप धनखड़ से एक क्लास सीनियर थे। लेकिन हरपालसिंह बताते है कि उस समय भी जगदीप धनखड़ की पढाई को लेकर कैचिंग पॉवर काफी अच्छी थी। जिसकी टीचर्स भी प्रशंसा करते थे। यही नहीं उनके पिता गोकुलचंद भी माने हुए जमीदार हुए करते थे। लेकिन उसका जरा सा भी रौब जगदीप में नहीं दिखा। वे पैदल ही चलकर स्कूल तक आया करते थे। जब से गांव के लोगों को इसकी जानकारी लगी है। तब से गांव में मिठाई बांटने

और एक-दूसरे को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। गांव के सुमेर सिंह और अनूप सिंह ने बताया कि पूरी रात गांव के लोगों ने खुशी मनाई और रिश्तेदारियों से भी फोन पर उन्हें बधाई मिल रही है। उप राष्ट्रपति के चुनाव होने के बाद जगदीप धनखड़ का गांव में जोरदार स्वागत किया जाएगा। हालांकि जिम्मेदारियां बढ जाने से उनके पास समय का अभाव होगा। लेकिन वे पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनने के बावजूद भी गांव में नियमित आते थे। ऐसे में उन्हें विश्वास है कि उप राष्ट्रपति बनने के बाद भी गांव को लेकर उनका लगाव कम नहीं होगा। गांव के युवाओं और महिलाओं को आगे बढाने के लिए भी जगदीप धनखड़ लगातार प्रयास करते है। इसलिए उन्होंने अपने खुद के फॉर्म हाउस स्थित निवास में ना केवल युवाओं के लिए लाइब्रेरी खुलवा रखी है। बल्कि महिलाओं के लिए सिलाई सेंटर और विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर सेंटर खोल रखा है। जगदीप धनखड़ के परिवार के सदस्य कृष्ण धनखड़ ने बताया कि जीवनभर में जो उपलब्धियां हासिल कर जगदीप धनखड़ यहां तक पहुंचे है। इस दरमियान के सभी प्रतीक चिह्नों को आलमारी में सजाकर एक लाइब्रेरी संचालित की जा रही है। ताकि इन प्रतीक चिह्नों को देखकर गांव के युवा प्रेरणा लें और आगे बढ़े। इसके अलावा जगदीप धनखड़ की पत्नी सुदेश धनखड़ के प्रयासों से इसी के पास एक कमरे में सिलाई सेंटर शुरू किया गया है। जिसमें गांव की महिलाओं और युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई सिखाई जाती है। वहीं बच्चों को तकनीक के साथ आगे बढाने के लिए कंप्यूटर सेंटर संचालित किया जाता है। तीनों में ही फ्री प्रशिक्षण विशेषज्ञों द्वारा दिया जाता है। जिस सरकारी स्कूल में जगदीप धनखड़ पांचवीं तक पढ़े है। वह स्कूल अब तो 12वीं तक की हो गई। लेकिन आज भी स्कूल की यादें जगदीप धनखड़ की यादों में ताजा है। अब तक लाखों रूपए स्कूल के विकास में अपने पास से जगदीप धनखड़ भिजवा चुके है। वहीं जब भी गांव आते है। स्कूल में जाना नहीं भूलते। यही नहीं यहां के विजिटर बुक में अपनी शुभकामनाएं भी लिखते है। स्कूल की प्रिंसीपल सुमन थाकन ने बताया कि वे यहां आते है तो हमें बुलाते है या फिर खुद ही चलकर स्कूल तक आ जाते है।

जांच की चुनौती क्यों नहीं दे देते अंसारी?

अनिल बिहारी श्रीवास्तव

पूर्व उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी पर लग रहे आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। खंडन मात्र से देशवासियों को आश्वस्त और संतुष्ट नहीं किया जा सकता। यदि अंसारी अंदर और बाहर दोनों से स्वयं को पाक-साफ मानते हैं तो सीना ठोंक कर आरोपों की जांच एनआईए, सीबीआई या किसी अन्य एजेंसी करवा लेने की चुनौती सरकार को देनी चाहिए। पकी उम्र में ऐसे गंभीर आरोप ठीक नहीं। अंसारी राष्ट्रप्रेम और निष्ठा पर सवालिया निशान लगाया जा रहा है। खास बात यह कि अंसारी पर आरोपों से कांग्रेस के साथ-साथ सोनिया गांधी और डा. मनमोहन सिंह के समक्ष छवि बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। उनसे सवाल किये जा सकते हैं- 'क्या आप को आदमी की पहचान नहीं है?' 'क्या अंसारी की कथित गलतियों की आप जानबूझ अनदेखी करते रहे हैं वह भी महज वोट बैंक राजनीति के लिए?' पाकिस्तान के पत्रकार नुसरत मिर्जा का इंटरव्यू पिछले दिनों सोशल मीडिया वायरल हुआ। नुसरत ने जो कहा उसकी सच्चाई वह स्वयं या अंसारी साहब जानें लेकिन इससे भारत में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। बवाल तो मचना ही था। सोशल मीडिया में वायरल इंटरव्यू में नुसरत मिर्जा दावा कर रहा है कि कांग्रेस की अगुआई वाली संप्रग सरकार के कार्यकाल में वह कई बार भारत जाकर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जानकारी जुटाता रहा है। उसने बताया कि तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के कार्यकाल के दौरान उसे कई बार भारत आने का न्यौता दिया गया था। वैसे उसके इस दावे की जांच संभव है कि उसे भारत का वीजा हासिल करने में कई विशेषाधिकार मिले हुए थे। आमतौर पर पाकिस्तानियों को भारत में दो या तीन शहरों के लिए वीजा मिलता है लेकिन उस दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, पटना और कोलकाता सहित सात शहरों का वीजा मिलता था। मिर्जा के इंटरव्यू को लेकर भारत में हंगामा शुरू होते ही मिर्जा ने पलटी मारी। अब कहता सुना गया कि हामिद अंसारी का उससे व्यक्तिगत परिचय नहीं है। अंसारी भी कह रहे हैं कि वह मिर्जा को नहीं जानते। सवाल यह है इस पाकिस्तानी जासूस के किस बयान को सही माना जाए? क्या मिर्जा आईएसआई और पाकिस्तानी सरकार के दबाव में बयान से पलट रहा है या फिर बेहद अगंभीर और बकलोल किस्म का इंसान है जो शेखी बघारने के चक्कर में 'हांक' बैठा? बहरहाल, मुद्दा यह नहीं होना चाहिए कि मिर्जा के दोनों बयानों में से कौन सा सच है। दस सालों तक संवैधानिक पद रहे एक भारतीय पर आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले दल्ले पत्रकार से संपर्क रखने का आरोप लगा है, यह बेहद गंभीर मामला है। इसकी गहराई से जांच होनी ही चाहिए।

इस बीच कुछ ऐसी बातें कहीं गई या सामने आईं जो राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिये से विवाद की अनदेखी करने की इजाजत कतई नहीं देतीं। उल्लेखनीय है कि अनेक पूर्व अधिकारी 2019 में सरकार से मांग कर चुके हैं कि हामिद अंसारी के अतीत से जुड़े घटनाक्रमों की जांच कराई जाए। रॉ के पूर्व अधिकारी एन.के. सूद खुला आरोप लगाते हैं कि ईरान में भारत का राजदूत रहते हामिद अंसारी ने रॉ एजेंटों की जानकारी ईरानी सरकार को दी थी। इसके बाद चार अधिकारियों को ईरान में बंधक बना लिया गया था। कहा जाता है कि ईरान से अंसारी की बिदाई के बाद वहां भारतीय दूतावास में जश्न का माहौल दिखा था। अंसारी इन आरोपों को बकवास बताते है। उनका कहना है कि तत्कालीन केंद्र सरकार सच्चाई जानती थी। उन्हें बाद में राष्ट्रसंघ में भारत का स्थायी प्रतिनिधि नियुक्त किया गया था। यह एक तरह से तरक्की देने जैसी बात थी। वह भारत में अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन, अलीगढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति और फिर दो बार उपराष्ट्रपति बनाए गए। अंसारी का बयान सोनिया गांधी और डा. मनमोहन सिंह के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। अंसारी की जांच की फाइल खुलने पर इन दोनों से भी सवाल-जवाब की स्थिति बन जाएगी? सवाल किए जा सकते हैं कि अंसारी पर खास मेहरबानियों से पहले क्या यह सुनिश्चित किया गया कि वह 24 कैरेट वाले खालिस सोने की तरह हैं? कहा जाता है कि सोनिया गांधी तो अंसारी को राष्ट्रपति बनाना चाहतीं थीं। प्रणब मुखर्जी का पलड़ा भारी देख वह चुप रह गईं। हां, अंसारी को सांत्वना पुरस्कार मिल गया और वह दूसरी बार उपराष्ट्रपति बन गए। इन पिछले पांच-सात सालों के दौरान भी अंसारी के व्यवहार या बयानों को लेकर विवाद खड़े होते रहे हैं। उनके विवादास्पद बयानों और व्यवहार को याद करते ही सबसे पहले 26 जनवरी 2015 का वह दृश्य लोगों की आंखों सामने घूम जाता है।

सूडोकु नवताल- 6144

कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6143 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

डर गैप इंडेक्स और हम

डॉ नीलम महेंद्र

ईश्वर की बनाई इस सृष्टि में मानव के रूप में जन्म लेना एक दुर्लभ सौभाग्य की बात होती है। और जब वो जन्म एक स्त्री के रूप में मिलता है तो वो परमसौभाग्य का विषय होता है। क्योंकि स्त्री ईश्वर की सबसे खूबसूरत वो कलाकृति है जिसे उसने सृजन करने की पात्रता दी है। हाल ही में वर्ल्ड इकनोमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप 2022 रिपोर्ट आई है जिसमें भारत 146 देशों की सूची में 135वें स्थान पर है। यानी लैंगिक समानता के मुद्दे पर भारत मात्र ग्यारह देशों से ऊपर है। हमारे पड़ोसी देशों की बात करें तो हम नेपाल (98), भूटान (126) और बांग्लादेश (143) से भी पीछे हैं। बता दिया जाए कि ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स में मुख्य तौर पर महिलाओं से जुड़े चार आयामों के आधार पर किसी देश का स्थान तय किया जाता है,उनकी शिक्षा एवं उसके अवसर, उनकी आर्थिक भागीदारी, उनका स्वास्थ्य और उनकी राजनीतिक अधिकारिता।

संयोग से यह रिपोर्ट उस समय आई है जब देश सावन माह में शिव जी की भक्ति से सरोबार है। देखा जाए तो यह परिदृश्य बड़ा विचित्र सा है कि यह देश शिवजी को तो पूजता है लेकिन उनके द्वारा दिए संदेश को आत्मसात नहीं कर पाता। क्योंकि महादेव वो देव हैं जो अर्धनारीश्वर के रूप में पूजे जाते हैं और यह बताते हैं कि स्त्री एवं पुरुष मिलकर ही पूर्ण होते हैं। दअरसल ऐसा माना जाता है कि ईश्वर की बनाई इस सृष्टि में मानव के रूप में जन्म लेना एक दुर्लभ सौभाग्य की बात होती है। और जब वो जन्म एक स्त्री के रूप में मिलता है तो वो परमसौभाग्य का विषय होता है। क्योंकि स्त्री ईश्वर की सबसे खूबसूरत वो कलाकृति है जिसे उसने सृजन करने की पात्रता दी है। सनातन संस्कृति के अनुसार संसार के हर जीव की भांति स्त्री और पुरुष दोनों में ही ईश्वर का अंश होता है लेकिन स्त्री को उसने कुछ विशेष गुणों से नवाजा है। यह गुण उसमें नैसर्गिक रूप से पाए जाते हैं जैसे सहनशीलता, कोमलता, प्रेम,त्याग, बलिदान ममता। यह स्त्री में पाए जाने वाले गुणों की ही महिमा होती है कि अगर किसी पुरुष में स्त्री के गुण प्रवेश करते हैं तो वो देवत्व को प्राप्त होता है लेकिन अगर किसी स्त्री में पुरुषों के गुण प्रवेश करते हैं तो वो दुर्गा का अवतार चंडी का रूप धर लेती है जो विध्वंसकारी होता है। किंतु वही स्त्री अपने स्त्रियोचित नैसर्गिक गुणों के साथ एक गृहलक्ष्मी के रूप में आनपूर्णा और एक माँ के रूप में ईश्वर स्वरूपा बन जाती है।

पर्यावरण मंत्रालय की आपत्ति के बाद अटल प्रोग्रेस वे चंबल के बीहड़ों से नहीं निकलेगा

चंबल बचाओ आंदोलन की जीत

मुरैना। भिंड जिले के पास इटावा उत्तर प्रदेश से कोटा राजस्थान तक 404 किलोमीटर लंबी सड़क अटल प्रोग्रेस वे चंबल के बीहड़ों से होकर बनाया जाना प्रस्तावित किया गया था। इस परियोजना की घोषणा वर्ष 2013 में विधानसभा चुनाव से पूर्व की गई, तत्पश्चात 2018 के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में भी इस परियोजना के नाम पर वोट बटोरे गए। अभी हाल ही में जमीन अधिग्रहण के नाम पर 10 हजार किसान परिवारों जिनके पास भूमि स्वामी स्वत्व है, को भिंड, मुरैना, श्योपुर कलां जिलों से विस्थापित किया जा रहा था, जिन्हें नाम के वास्ते जमीन या कुछ मुआवजा दिया जाना प्रस्तावित किया। इनके अलावा पीढ़ियों से बीहड़ की जमीन को समतल बनाकर खेती कर रहे लगभग 30 हजार किसान परिवारों को भी उजाड़ने की योजना, प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई। इन किसान परिवारों को किसी तरह की कोई जमीन या मुआवजा भी नहीं दिया जा रहा था। कुल मिलाकर थोड़ा बहुत कम नगण्य मुआवजा देकर किसानों को विस्थापित कर हाईवे का निर्माण कराने के उपरांत, चंबल के बीहड़ की बेशकीमती लाखों एकड़ जमीन को कॉरपोरेट्स को

सौंपने की योजना प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई। यह जमीन कारपोरेट्स को सड़क के दोनों ओर एक एक किलोमीटर के कॉरीडोर में दी जानी थी, जिसमें न तो किसानों का हित देखा गया और न हीं पर्यावरण व पारिस्थितिकी तंत्र के नुकसान का मूल्यांकन किया गया। जल्दबाजी में योजना स्वीकृत कर जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया की शुरुआत की गई। स्थानीय किसानों ने मध्य प्रदेश किसान सभा (अखिल भारतीय किसान सभा) के नेतृत्व में मार्च में भिंड, मुरैना और श्योपुर कलां में व्यापक आंदोलन किए व लगातार कार्यवाहियां जारी रही। अंततः कैन्दीय पर्यावरण मंत्रालय ने पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के बिगाड को देखते हुए, किसान आंदोलन के दबाव के चलते परियोजना को रोकने का आदेश दिया है। मध्यप्रदेश किसान सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक तिवारी ने कहा है कि यह परियोजना चंबल के बीहड़ की जमीन को कॉरपोरेट को सौंपने के लिए बनाई गई थी। इसमें पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र की होने वाली भारी क्षति का मूल्यांकन नहीं किया गया। यह योजना क्षेत्र के लिए तो नुक्सानदायक थी ही, पर्यावरण के लिए भी भारी अपूरणीय क्षतिकारित करने वाली थी। किसान आंदोलन ने इन मुद्दों को व्यापक रूप से उठाया। जिसका नतीजा यह हुआ कि, अंततः पर्यावरण मंत्रालय को संज्ञान लेना पड़ा और योजना को निरस्त करने का आदेश जारी करना पड़ा। श्री तिवारी ने इसे किसान आंदोलन की एतिहासिक जीत बताया है। साथ ही प्रदेश की भाजपा सरकार से मांग की है कि चंबल के बीहड़ की जमीन कॉरपोरेट्स (पूंजीपतियों) को देने के बजाय किसानों को दी जाए। जमीन के पट्टे स्थानीय किसानों को ही आवंटित किए जाए। साथ ही उन्होंने बीहड़ के गांवों के विकास के लिए सड़क, स्कूल, बिजली आदि की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि चंबल बचाओ आंदोलन में चंबल के बीहड़ के 50 हजार से ज्यादा किसान परिवार जुड़े हुए हैं। उनके संघर्ष के चलते ही सरकार को पीछे हटना पड़ा है। उन्हें आगे भी इस आंदोलन को मजबूत करने और किसानों को जमीन का मालिकाना हक दिलाने तथा गरीब और भूमि किसानों को जमीन उपलब्ध कराने के संघर्ष को आगे बढ़ाना होगा। इसके लिए उन्होंने किसानों से आगे आने की अपील की है।

बर्मीकम्पोस्ट व वाटरमेनेजमेन्ट पर डिडी में कार्यशाला का अयोजन

भिण्ड। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जन शिक्षण संस्थान भिण्ड द्वारा स्वच्छता पखवाडे के तहत मंगलवार को ग्राम पंचायत डिडी के प्रशिक्षण केन्द्र पर किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत के सरपंच केदार नाथ शर्मा, रिटायर्ड सब इन्जीनियर रामदत्त शर्मा रहे। जन शिक्षण संस्थान भिण्ड के कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार ने लाभार्थियो व अन्य लोगों की

उपस्थिति में एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका मुख्य विषय बर्मीकम्पोस्ट को बनाने की विधि व उपयोग तथा लाभ था। इसके साथ ही आयोजित कार्यशाला में वाटरमेनेजमेन्ट को समझाने के लिए मॉडल का प्रयोग करते हुए डेमो प्रदर्शन किया गया एवं जल की महत्तता को बताते हुये उसे सरंक्षित करने व भू जल स्तर बढाने की तकनीक पर चर्चा की गई। भूजल संबंर्धन हेतु मॉडल के माध्यम से बताया गया कि किस प्रकार मकान की छत का पानी हम सीधे जमीन में उतारकर संरक्षित कर सकते हैं, साथ ही पानी के दुरूपयोग को रोकने व जल भराव व जल निकासी का उचित प्रबंध कर स्वच्छता को वढाने के लिए जल प्रबंधन करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि जल अमूल्य है व हमारे जीवन का आधार है इसका उचित प्रबंधन आवश्यक है। उन्होंने नगरों व महानगरों में पानी की समस्या से जूझ रहे जन मानस के लिए भू जल संरक्षण सबसे अधिक कारगर बताया। जल प्रबंधन के साथ ही बर्मीकम्पोस्ट के बारे में बताते हुये कहा कि पृथ्वी की मृदा उर्वरा शक्ति फर्टिलाजर व पेस्टीसाइड्स रासायनिक दवाओ के प्रयोग से नष्ट हो रहे है व पैदा होने वाले अनाज व सब्जियो की पोषकता भी प्रभावित हो रही है। अतः हमें जैविक खाद जैसे बर्मीकम्पोस्ट व गोबर खाद का प्रयोग करना चाहिये जिसके प्रयोग से पृथ्वी की उर्वरा शक्ति बढती है व पेदावार अधिक होती है। सहायक कार्यक्रम अधिकारी दिनेश शर्मा द्वारा उपस्थित सभी लोगों का धन्यावाद दिया गया। इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी संतोष दुबे व मनोज कुमार सहायक कार्यक्रम अधिकारी दिनेश शर्मा, अंजली शर्मा, लेखपाल अमित शर्मा, लिपिक अजय सिहं कुशवाह, कम्पयूटर ऑपरेटर जितेन्द्र शर्मा, जयप्रकाश, रमवीर व ग्रामीण महिला पुरूष उपस्थित हुए।

दीवाल फोड़कर 9 लाख रुपए का कपड़ा समेट ले गए चोर

पुलिस सक्रियता की खुली पोल, सीसीटीवी में ऑटो आया नजर

मुरैना। सोमवार मंगलवार की अलसुबह अज्ञात चोर गिरोह माधौपुरा रोड स्थित एक रेडीमेड कपड़े की दुकान की दीवार तोड़कर लगभग 9 लाख रुपए का रेडीमेड कपड़ा एवं 27 हजार रुपए से अधिक रुपए नगदी चोरी कर ले गए। फरियादी द्वारा अपने स्तर से की गई जांच पड़ताल में एक ऑटो नजर आया है, जो तीन चार बार दुकान के यहां से माल लेकर गया है। इस मामले में पुलिस की निष्क्रियता भी साफ दिखाई दे रही है, फरियादी मंगलवार की सुबह आवेदन दे चुका, लेकिन शाम तक पुलिस मौके पर जांच पड़ताल करने नहीं पहुंची। शहर में चोर गिरोह आए दिन सक्रिय होकर वारदात कर रहा है और पुलिस गश्त के नाम पर खानापूर्ति कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार माधौपुरा रोड जगदंबा गार्डन हाकिम डेयरी के सामने स्थित एडिक्शन कलेक्शन के नाम से राजू उर्फ राजेश गुर्जर पुत्र सूबेदार गुर्जर निवासी विजय नगर मुरैना की रेडीमेड कपड़े की दुकान है। सोमवार की देर शाम राजेश अपनी

दुकान बंद कर चला गया, सुबह आकर देखा तो दुकान की दीवार पीछे से टूटी पड़ी थी और दुकान के अंदर से रेडीमेड जींस, शर्ट, लोवर सहित अन्य आइटम गायब थे, जिनकी कीमत लगभग 9 लाख रुपए बताई गई है, वहीं दुकान से 27500 रुपए नकदी हुई चोरी गए हैं। जब फरियादी राजेश गुर्जर ने अपने स्तर से जांच पड़ताल की तो सीसीटीवी कैमरे में एक ऑटो आपे दिखाई दिए, जो तीन चार बार गुजरी है। फरियादी का कहना है कि मंगलवार की अलसुबह तक जब तक हंड्रेड डायल गाड़ी माधौपुरा की पुलिया पर खड़ी थी, तब तक ऑटो नहीं निकली, लेकिन उसके जाते ही ऑटो ने 3-4 राउंड लगाए और उसी में माल भरकर गया है। फरियादी का यह भी मानना है कि रात्रि में पहले चोरों ने दीवाल तोड़ी है और दीवाल तोड़ने के बाद ऑटो मंगाया है। इस मामले में पुलिस की निष्क्रियता भी साफ दिखाई दे रही है। मंगलवार की सुबह फरियादी राजेश ने कोतवाली पहुंचकर आवेदन दिया, लेकिन शाम तक मौका मुआयना करने तक नहीं पहुंची, इससे शहर की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा होता है।

खेड़ा मेवदा के ग्रामीणों ने सचिव को हटाने दिया कलेक्टर को ज्ञापन

मुरैना। जनपद पंचायत मुरैना की खेड़ा मेवदा पंचायत में पदस्थ सचिव धीरज सिंह कंसाना को हटाने के लिए ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्टर के नाम एडीएम को ज्ञापन दिया है। खेड़ा मेवदा से आए दर्जनों ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि सचिव ग्राम पंचायत खेड़ा का मूल निवासी है एवं यह सचिव घोटालेबाज और अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों से अभद्र भाषा का प्रयोग करता है तथा दबाव एवं धमकी देता रहता है, इसकी काली करतूतों से ग्रामीण परेशान है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम बरी का पुरा में हनुमान मंदिर से मेन रोड माता बसैया रोड तक सीसी रोड दर्शाई गई है, जिसकी राशि 5 लाख 10 हजार रुपए निकाली गई है, जबकि यह रोड अभी तक कच्ची पड़ी हुई है। ऑफिस तालाब गहरीकरण की राशि 6 लाख 15 हजार रुपए निकाली गई, 5 दिसंबर 2021 में यह फर्जी राशि निकाली गई है, जबकि पंचायत में कोई तालाब का गहरीकरण नहीं कराया गया है। नाला साफ सफाई रामपुरा व शांति नगर में नाले का निर्माण अभी तक नहीं हुआ है, जबकि उसके नाम पर एक लाख 89 हजार रुपए की राशि निकाल ली गई है, जो कि पूर्णत- फर्जी है। बरी का पुरा एवं शंभू का पुरा मैं कोई नाला निर्माण नहीं है और उसमें साफ सफाई के नाम पर दो लाख 25 हजार रुपए की राशि निकाली गई, इसी प्रकार खेड़ा मेवदा में कहीं नाला निर्माण नहीं हुआ है और नाला सफाई के नाम पर दो लाख 60 हजार रुपए की राशि निकाली गई। इस प्रकार के अनगिनत फर्जी कार्यों के नाम पर सचिव द्वारा रुपया डकार लिया गया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम एडीएम को दिए ज्ञापन में तत्काल सचिव धीरज कंसाना को हटाकर उनके खिलाफ कार्यवाही करने तथा आदिराम जाटव को सचिव पदस्थ किए जाने की मांग की है।

जिन सैनिकों ने देश की सेवा की है उनकी सेवा करना अपना सौभाग्य मानता हूं: एसडीएम समाधिया

-कारगिल विजय दिवस पर वीरांगना, भूतपूर्व सैनिक और समाजसेवियों का हुआ सम्मान

अम्बाह। कारगिल विजय दिवस के 23 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में भूतपूर्व सैनिक शहीद सैनिकों की वीरांगना पत्नी और समाजसेवियों का सम्मान किया गया। दो चरणों में हुए कार्यक्रम का आयोजन इंडियन वेटरन्स ऑर्गेनाइजेशन एवं चंबल संभाग भूतपूर्व सैनिक ग्रुप द्वारा कैप्टन वीर नारायण सिंह तोमर शहीद पार्क में हुआ। दो चरणों में हुए कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः नगर में निकाली गई तिरंगा यात्रा से हुआ, जिस का समापन द्वितीय चरण के कार्यक्रम शहीद पुण्य स्मरण एवं सम्मान समारोह में हुआ। शहीद पार्क में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंबाह एसडीएम राजीव समाधिया रहे व अध्यक्षता चंबल संभाग के अध्यक्ष सूबेदार मेजर सुरेश सिंह तोमर ने की। विशिष्ट अतिथियों में भारतीय स्टेट बैंक के मैनेजर प्रदीप सिंह तोमर, जिलाध्यक्ष कैप्टन केबी सिंह तोमर, सूबेदार ओंकार सिंह तोमर, अंबाह इकाई के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह परमार समाजसेवी डॉ सुधीर आचार्य और परमाल सिंह परिहार मंचासीन रहे। इस अवसर पर उपस्थित अंबाह, मुरैना, भिंड, ग्वालियर व पोरसा के भूतपूर्व सैनिकों द्वारा सर्व प्रथम पुण्य स्मरण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इसके बाद सैनिकों को संबोधित करते हुए अंबाह एसडीएम राजीव समाधिया ने कहा कि जिन लोगों ने राष्ट्र सेवा में अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए देश की रक्षा की ऐसे देशभक्त सैनिकों का सम्मान और सेवा करना मैं अपना सौभाग्य मानता हूं। इस अवसर पर उपस्थित

भूतपूर्व सैनिकों और शहीद सैनिक परिवार से उपस्थित वीरांगना पत्नी एवं समाजसेवियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजसेवी डॉ सुधीर आचार्य ने कहा कि चंबल अंचल के पास शहादत की समृद्ध विरासत है। इस विरासत को सहेजना और इससे प्रेरणा लेना अत्यंत आवश्यक है। अध्यक्षता कर रहे सूबेदार मेजर सुरेश सिंह तोमर ने कारगिल विजय के अनुभवों को सांझा किया व कैप्टन वीके सिंह तोमर ने संचालन और आभार किया।

कार्यक्रम में इनका हुआ सम्मान

इस अवसर पर सूबेदार मेजर वीरेंद्र सिंह तोमर, गिरधर सिंह तोमर, सत्यवीर सिंह, दर्शन सिंह, सुरेश सिंह, राजकुमार सिंह, संजू सिंह, बाबूराम, नरेंद्र सिंह, रमेश चंद्र, विजय सिंह, शेर सिंह, रामचंद्र सिंह, दादू सिंह, विजय सिंह तोमर, नरेंद्र सिंह, रामजीलाल, मुन्ना सिंह, जनरल सिंह, रामसेवक, रघुवीर सिंह, शंकर सिंह, अमोल सिंह, दामोदर सिंह, मुरैना के भूतपूर्व सैनिक सूबेदार नरेंद्र परमार, सूबेदार मेजर ओंकार सिंह तोमर, कैप्टन मातादीन सिंह, राजवीर सिंह, जगबीर सिंह, राजेंद्र सिंह, रामपाल सिंह, भिंड से पधारे कैलाश सिंह, मनोज कुमार सिंह, रविकांत जादौन, शिव बहादुर सिंह, मकरंद सिंह, अजमेर सिंह, पोरसा से पधारे कैप्टन दशरथ सिंह तोमर, हिम्मत सिंह, श्याम सुंदर सिंह, आर के शर्मा, मुरलीधर तिवारी, जगदीश सिंह, देशराज सिंह, अर्जुन सिंह, विजेंद्र सिंह, यशवंत सिंह, पुरुषोत्तम सिंह सहित समाजसेवी परमाल सिंह परिहार और डॉ सुधीर आचार्य आदि का सम्मान किया गया।

विद्युत विभाग ने काटे 24 कनेक्शन वसूले 4 लाख 5 हजार

जौरा। विद्युत के बकायेदारों के विरुद्ध एक्शन में आए विद्युत विभाग का वसूली अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा। सहायक यंत्री एके सिंह एवं कनिष्ठ यंत्री निलेश धुर्वे की देखरेख में 24 बकायेदारों के कनेक्शन काटने की कार्रवाई की गई व 4 लाख 5 हजार की विद्युत विल वसूली की गई। मंगलवार की कार्रवाई में विद्युत विभाग की वसूली टीम के प्रभारी मनोज जाटव, भारत मीणा, सचिन कुमार, भोला शर्मा, बृजमोहन, अलीमुद्दीन, वीरेंद्र कुमार, ऋषि कुमार सहित आदि कर्मचारियों की टीम ने बकायादार उपभोक्ताओं के विरुद्ध मनीष पेट्रोल पंप के पास एमएस रोड पुराना जौरा पोस्ट ऑफिस रोड सहित अन्य स्थानों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 15

लाख की वसूली के लिए 24 बकायेदारों के कनेक्शन विच्छेदन की कार्यवाही की गई कनेक्शन कटने से घबराए बकायेदारों द्वारा शाम तक कुल 4 लाख 5 हजार रुपए विद्युत विभाग की टीम को जमा कराए गए। गौरतलब है कि जौरा में विद्युत विभाग का उपभोक्ताओं पर लगभग एक करोड़ से ऊपर की राशि बकाया बताई गई है, जिसे वसूलने के लिए भोपाल ग्वालियर मुरैना की वरिष्ठ विद्युत अधिकारियों के निर्देश पर यह वसूली अभियान चलाया जा रहा है।

भाजपा लोकतंत्र और प्रजातंत्र की हत्या करने पर आमादा: मावई

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस ने गांधी बाल निकेतन पर दिया धरना

मुरैना। केंद्र की भाजपा सरकार विपक्ष को दबाने के लिए विपक्ष के नेताओं के पीछे ईडी और सीबीआई लगाकर देश से लोकतंत्र एवं प्रजातंत्र को खत्म करना चाहती है एवं जो विपक्ष देश की जनता की आवाज बुलंद कर रहा है, उसे दबाकर आम जनता का ध्यान भाजपा सरकार मुद्दों से भटकना चाहती है। भाजपा सरकार के इशारे पर ईडी द्वारा कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी को बार-बार परेशान किया जा रहा है, जिसके विरोध में मंगलवार को कांग्रेसी नेताओं के साथ राहुल गांधी भी विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और भाजपा के इशारे पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, जिसके विरोध में देशभर में कांग्रेसजनों द्वारा धरना प्रदर्शन कर गिरफ्तारी का विरोध किया गया। मुरैना में गांधी प्रतिमा के समक्ष कांग्रेसियों ने धरना देकर

अपना आक्रोश जाहिर किया और कहा कि सरकार अपनी हरकतों से बाज नहीं आई तो देशभर में कांग्रेसी उग्र आंदोलन करेंगे। जिला मुख्यालय बाल निकेतन रोड स्थित गांधी पार्क पर कांग्रेसी विधायक, जिला अध्यक्ष सहित तमाम पदाधिकारियों ने राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में धरना प्रदर्शन किया एवं केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर मुरैना विधायक राकेश मावई ने कहा कि केंद्र में बैठी भाजपा सरकार लोकतंत्र एवं प्रजातंत्र को खत्म कर देश हित में बात करने वाले नेताओं के खिलाफ ईडी एवं सीबीआई का प्रयोग कर रही है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि अब सभी एजेंसियां सरकार के इशारे पर विपक्षी नेताओं को दबाना चाहती है। उन्होंने कहा कि पहले राहुल गांधी को ईडी द्वारा कई बार पूछताछ के लिए बुलाया गया और अब राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी को बार-बार परेशान किया जा रहा है, जिसके विरोध में देशभर में कांग्रेसी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही है और विपक्ष के नेताओं को डराने धमकाने के काम पर उतर आई है।

सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में कारगिल विजय दिवस पर अर्पित की गई वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में आज कारगिल विजय दिवस के अवसर पर वीर शहीदों को नमन करते हुए उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री रमेशचन्द रावत वरिष्ठ आचार्य सरस्वती विद्यापीठ एवं विशिष्ट अतिथि श्री राजकुमार शर्मा वरिष्ठ आचार्य सरस्वती विद्यापीठ तथा अध्यक्ष श्री उमाशंकर भार्गव प्राचार्य सरस्वती विद्यापीठ रहे ।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना से किया गया ।

मंचासीन अतिथियों का भैया आदित्य कौरव एवं कुलदीप कौरव द्वारा श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया । संगीत दल द्वारा राष्ट्र भक्ति से ओतप्रोत गीत प्रस्तुत किया गया ।

भैया रोहित भार्गव ने प्रस्तावना भाषण में कार्यक्रम की भूमिका रखी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री रावत ने कहा कि पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की ज़मीन पर कब्ज़ा करने की कोशिश की, पाकिस्तान ने दावा किया कि लड़ने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेज़ों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हुआ कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी। लगभग 30,000 भारतीय सैनिक और करीब 5,000 घुसपैठिए इस युद्ध में शामिल थे। भारतीय सेना और वायुसेना ने पाकिस्तान के कब्ज़े वाली जगहों पर हमला किया और धीरे-धीरे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से पाकिस्तान को सीमा पार वापिस जाने को मजबूर किया। यह युद्ध ऊँचाई वाले इलाके पर हुआ और दोनों देशों की सेनाओं को लड़ने में काफ़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। परमाणु बम बनाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ यह पहला सशस्त्र संघर्ष था कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के लिये एक महत्वपूर्ण दिवस है। इसे हर साल 26 जुलाई को मनाया जाता है। कारगिल युद्ध लगभग 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई को उसका अंत हुआ। इसमें भारत की विजय हुई। इस दिन कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों के सम्मान हेतु मनाया जाता है।

कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन वरिष्ठ आचार्य श्री कमलकिशोर कोली द्वारा किया गया । इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य एवं छात्र उपस्थित रहे ।

आगामी त्यौहारों एवं सोशल मीडिया पर निगरानी हेतु पुलिस कप्तान आसुतोष बागरी ने पुलिस खुफिया टीम की बैठक ली...

केशब पंडित जी अम्बाह...

मुरैना... पुलिस अधीक्षक आसुतोष बागरी द्वारा पुलिस खुफिया टीम की बैठक आयोजित की गई । जिसमें खुफिया विभाग के पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। आयोजित बैठक मे पुलिस अधीक्षक श्री बागरी द्वारा खुफिया टीम के प्रत्येक अधिकारी से चर्चा कर ब्रीफ किया गया। बैठक का मुख्य उददेश्य् आगामी आने वाले त्यौहारों के पूर्व सौहार्द्रपूर्ण वातावरण तथा सोशल मीडिया पर निगरानी बनाये रखना था। खुफिया टीम के प्रत्येक सदस्य से पुलिस अधीक्षक द्वारा फीडबेक लेकर ब्रीफ किया गया। वर्तमान मे सोशल मीडया पर असामाजिक तत्वों के द्वारा भडकाउ मैसेज डालकर शांतिभंग करने की स्थिति निर्मित करनें की कोशिशें की जाती है, ऐसे तत्वों पर सख्ती से निपटनें के लिए आवश्यथक है, कि सोशल मीडिया पर सूक्ष्मता से निगाह रखी जाकर, ऐसी किसी भी हरकत को समय पूर्व ही रोक लिया जाकर संबंधित तत्व पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जावे। पुलिस अधीक्षक श्री बागरी ने कि पुलिस की खुफिया टीम की मीटिंग ली गई है, जिसमें टीम के प्रत्येक सदस्य से फीडबेक लिया जाकर ब्रिफ किया गया, जिससे आम सूचना मे लगे पुलिस अधिकर्मचारी और बेहतर परिणाम दे सके।

जेसीआई शिवपुरी ने किया सतरंगी सावन मेला आयोजन

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-जेसीआई शिवपुरी ने 24 जुलाई को सतरंगी सावन मेला जल मंदिर मैरिज हाउस पर लगाया जिसमें गुना ग्वालियर झांसी मुरैना आदि जगह से दुकानें आए और सब लोगों ने दुकानों में खरीदारी करी और खाने पीने का आनंद और बच्चों ने झूले का आनंद भी लिया मेले मेले का उद्घाटन डिप्टी कलेक्टर शिवांगी अग्रवाल के द्वारा रीवन काटकर किया गया और उनका माला और गिफ्ट के द्वारा सम्मान किया गया और अध्यक्ष आशु अग्रवाल ने बताया कि सावन के महीने में मेला इसलिए लगाया कि सब लोग बाहर से आई दुकानों से खरीदारी करने का लाभ उठा सकें मेले में मंच संचालन आकांक्षा गॉड के द्वारा किया गया और मेले में सरप्राइस गेम और तंबोला का भी आनंद लिया सब लोगों ने और मेले में आने वाली सभी दुकानों को गिफ्ट दिए गए और लकी ड्रा भी निकाला गया जिसमें फर्स्ट सेकंड थर्ड और 6 कॉन्सिलिएशन प्राइस रखी गई संस्था की सभी महिलाओं ने प्रोग्राम में अपनी भागीदारी की जिसमें ऐसे में डायरेक्टर प्रियंका शिवहरे आईपीपी स्मिता सिंघल जैसी संध्या अग्रवाल जेसी रानी गोयल जैसी अंजना अग्रवाल जेसी नीतू जैन जेसी नीता श्रीवास्तव जेसी प्रियंका सोनी जेसी संध्या मित्तल जेसी संतोष अग्रवाल जेसी चेतना अग्रवाल जेसी दुर्गेश गुप्ता जेसी सोनल गर्ग प्रोग्राम के अंत में सचिव रश्मि गोयल ने सबका आभार व्यक्त किया

कांवरियाओ ने पीट-पीटकर की युवक की हत्या परिजनों ने ग्वालियर बायपास पर शव रखकर किया चक्काजाम

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शहर में बीते दिनों काबड़ियों की टोली जा रही थी। इस टोली से शहर का एक बाइक चालक टकरा गया। इस बाइ चालक को काबड़ियों ने इतना मारा की आज उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। गुस्साए परिजनों ने लाश को रखकर ग्वालियर वायपास पर जाम लगा दिया और कार्रवाई की मांग करने लगे। जानकारी के अनुसार आज से 6 दिन पहले कमलागंज इलाके में आशीष व उसका रिश्तेदार दोनों आए थे। यहां आशीष ने अपने रिश्तेदार को दुकान पर बैठाया और कहा कि वह मे?डीकल से दवाई लेकर आ रहा है। जिस पर आशीष बाइक लेकर चला गया। इसी दौरान

यहां से काबरियों की टोली गुजर रही थी जिससे आशीष टकरा गया। जहां काबरियों ने आशीष की लाठियों से बुरी तरह मारपीट कर दी। गंभीर अवस्था में आशीष को परिजन मेडिकल कॉलेज लेकर आए जहां डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए ग्वालियर रैफर कर दिया यहां आशीष ने आज इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसी बात से गुस्साए परिजनों ने आज ग्वालियर वायपास पर लाश रखकर चक्काजाम कर दिया। परिजनों का कहना था कि आशीष इकलौता बेटा था और 11वी की पढ़ाई कर रहा था। परिजनों का कहना था कि जब तक पुलिस कठोर कार्रवाई नहीं करेंगे तब तक वह चक्काजाम समाप्त नहीं करेंगे।

इनका कहना है

आज से चार दिन पूर्व 6 दिन पूर्व एक बाइक चालक आशीष की काबरिए से बाइक टकरा गई थी जिसमें दोनों को चोटें आई थी। मामले में अभी एक्सीडेंट का केस दर्ज किया गया है जैसे ही पीएम रिपोर्ट व डायरी आएगी आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अजय भार्गव, एसडीओपी

अम्बाह कारगिल विजय दिवस पर पीजी कालेज में दी गई अमर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि...

केशब पंडित जी अम्बाह

अम्बाह। अम्बाह पी जी कालेज में आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गतआज सुबह एनसीसी कैडेट्स के साथ एनसीसी अधिकारियों ने महाविद्यालय में शहीद स्तंभ पर कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए पुष्प गुच्छ अर्पित किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवराज सिंह तोमर में देश के लिए बलिदान होने वाले समस्त शहीदों को याद करते हुए कैडेट्स को अपने कार्य के प्रति सचेत करते हुए कहा की देश और समाज की सेवा के लिए विद्यार्थी अपने जिम्मेदारियों को पहचाने और एक अच्छा विद्यार्थी और नागरिक बनकर देश सेवा में भाग ले ।बारिश के बावजूद एनसीसी कैडेट्स और एसडब्ल्यू कैडेट्स बड़ी संख्या में इस अवसर पर उपस्थित रहे। इसके पश्चात कैडेट्स भूतपूर्व सैनिक संगठन- अंबाह के साथ अंबा नगर में शहर वासियों को आज के दिन की याद कराते हुए रैली के रूप में मार्च किया।

कारगिल विजय दिवस पर एनसीसी ने किया वृक्षारोपण

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। मप्र 6 स्वतंत्र कंपनी एनसीसी के अंतर्गत सरदार पटेल विश्वविधयालय बालाघाट के एनसीसी कैडेट्स के द्वारा कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजन किया। इस कार्यक्रम का दिशा निर्देशन बालाघाट एनसीसी के कमांडर अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल एम् रविचंद्रन के नेतृत्व में किया गया। प्रत्येक केडेट्स ने व्यक्तिगत रूप से पौधा रोपा। इस आयोजन पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति इंजी दिवाकर सिंह ने कहा कि कैडट्स के द्वारा विजय दिवस पर चलाई गयी ये मुहीम वास्तव में सराहनीय है। जिस प्रकार एक जवान देश की रक्षा के लिए अपने प्राण देदेता हे उसी प्रकार वृक्ष का भी पूरा जीवन मात्र परोपकार के लिए ही होता है केडेट्स के द्वारा लगाए गए ये वृक्ष पर जब भी दृष्टि जाएगी उन जवानो की याद आएगी जो देश के लिए शहीद हुए हे। इस दिवस को साकार रूप देने के लिए विश्वविद्यालय के उपकुलपति अनिल पांडे , एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ दिव्या पाराशर,पी आई स्टाफ अजय राजांगडाले उपस्थित रहे।

वृक्षों की जब करोगे रक्षा तभी बनेगा जीवन अच्छा: सौरभ बघेल

संयुक्त संकल्प 1101 पौधारोपण टीम के द्वारा शा. उ. मा. वि शर्वा गोहद मैंकिया गया पौधों का रोपण

उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।मंगलवार को संयुक्त संकल्प आजाद अध्यापक के जिलाध्यक्ष एवं विकलांग वाल के राज्य सचिव द्वारा बारहवें चरण में शा उ. मा. वि. सर्वा परिसर में किया गया आधा सैकड़ा पेड़ो का वृक्षारोपण अभी संयुक्त संकल्प टीम के द्वारा चार सौकड़ा से अधिक पैड़ो का रोपण हो चुका है और सभी पौधों को सुरक्षित जगह पर रोपण करने एवं उनकी अच्छी तरह से देखभाल होने के कारण सुरक्षित (जीवित) है अभी इस टीम के द्वारा सात सौ पौधो का रोपण और होना है।इस कार्यक्रम के अवसर पर विकलांग बल राज्य सचिव सौरभ बघेल ने कहा की प्राणियों का वास्तविक मित्र वृक्ष हैं यही कारण है कि हमारे पूर्वजों ने वृक्ष लगाए और उनकी पूजा पर जोर दिया पूजा करने का अर्थ सिर्फ इतना था कि लोगों मे वृक्षों और पौधों के प्रति पूज्य भाव जागृत हो लोग इनकी सुरक्षा के लिए तत्पर हो वृक्ष तो परमार्थ के जीते जागते प्रतीक है इस धरती पर वृक्ष की सुरक्षा भविष्य की सुरक्षा है हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि वृक्षारोपण के द्वारा हम अपने आने वाली पीढ़ी को शुद्ध पर्यावरण सौंपेंगे

जिलाध्यक्ष बघेल ने कहा की वृक्ष हमारे लिए अत्यंत आवश्यक है वह हमेशा चौकन्ना रहकर हमारी रक्षा के लिए रहते हैं जन्म से लेकर मृत्यु उपरांत हमारे उपयोग में आते है हम लोगों को भी उनकी महत्वता समझनी चाहिए भोजन के लिए जिस प्रकार जल की जरूरत है उसी प्रकार सांसों के लिए पौधों की जरूरत है जीवन जीने के लिए शुद्ध हवा पेड़ हमें प्रदान करते हैं इसलिए हम आप मिलकर एक संकल्प लें विना करण के पेड़ों की कटाई ना करें

इस कार्यक्रम मै मुख्यरुप से उपस्थित रहे श्री राजेंद्र सिंह यादव प्राचार्य जय सिंह नरवरिया शिक्षक उषा जाटव शिक्षिका रिंकी सखवार शिक्षिका कुसुम इंदौरिया शिक्षिका धर्मेंद्र सिंह राजावतशिवराज बघेल छात्राएं प्रियांशी तोमर नीरू सिनेमा नंदनी ईशा तोमर अनुष्का कुशवाहा सृष्टि तोमर दीप्ति तोहार निधि चौरसिया शिवानी बानो काजल तोमर अंजली तोमर श्रद्धा चौरसिया निशा पाल रूबी आशा अनुराधा चौहान गिरिजा सोनम छात्र अमन नवनीत कुशवाहा सौरभ तोमर योगेंद्र अभिषेक तोमर नारायण तोमर जतिन आशीष विशाल छोटू शुभम आदि

श्रीपेरंबदूर कस्बे में ग्राम तडंलम मे पार्श्व पद्मावती गौशाला मे रविवार को श्री सीरवी समाज सेवा संघ रामापुरम महिला मंडल ने किये भजन कीर्तन।

पुष्पाजंली टुडे

चेन्नई -कहते हैं सेवा के लिए पैसे होना ही जरूरी नहीं होता है, सेवा के लिए भाव होना जरूरी हैं। यही कर दिखाया सीरवी समाज रामापुरम की महिलाओं ने कुछ गृहस्थी महिलाओं ने अपने घर का काम काज कर और फिर बचा हुआ समय गायों की सेवा के लिए देती है। श्री सीरवी समाज सेवा संघ रामापुरम बढेर की महिला भजन मंडली ने घर घर जाकर भजन कीर्तन कर उससे मिलने वाली राशि को गायों की सेवा के लिए गौशाला में दान कर रही है। पिछले काफी समय से इन महिलाओं ने भजन कीर्तन के माध्यम से बड़ी राशि इकट्ठा कर गौशाला में गायों के लिये हरा चारा, गुड़, मीठा दलिया, केलै व आदि खिलाकर गौ सेवा की गई। महिलाओं ने गौ सेवा के बाद भजन कीर्तन किया गया जिसमें महिलाओं की ओर से भगवान श्री कृष्ण राधे रानी के भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुती दी गई, सांवरे की मुरली बाजे सांवरिया है, सेठ मारो प्यारो लागे, गाया वाला काँजी रे,थारी गाया ने पाछी घेर , कुए पर ऐकली खड़ी रे, आदि भजनों पर महिलाओं शानदार प्रस्तुतियां दी, साथ में ही नन्हें-मुन्ने बच्चो ने कृष्ण राधा के रूपों में काफी आकर्षक लग रहे थे, कृष्ण के रूप में विकास ?सिन्दड़ा एवं राधा के रूप में मोनिशा सिन्दड़ा ने शानदार प्रस्तुतियां के साथ महिलाओं ने झूम झूम कर नृत्य किया,और भोजन का आयोजन किया। वैसे तो गौशाला में हर वक्त पूरी व्यवस्था रहती है, फिर भी श्री सीरवी समाज? सेवा संघ रामापुरम बढेर के सामाजिक कार्यकर्ता मांगीलाल चोयल, जितेंद्र गहलोत, अणदाराम पंवार,? सुरेश सिन्दड़ा की विशेष तौर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम की उत्तम व्यवस्था अपनी देख रेख में सुंदर रूप से संपन्न करवाई और महिला मंडल को निवेदन किया कि आप लोग यहां नियमित रूप से गौसेवा और भजन कीर्तन का कार्यक्रम करें।

भोला तेरी बम

भोपाल। नर्मदापुरम से कावड़िये नर्मदाजल लेकर आते हुए।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने मिलेंगे चार मौके

भोपाल। अब युवाओं को अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर की पहली तारीख को भी 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले युवक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए पात्र होंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि अभी यदि कोई युवा किसी और माह में 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेता था तो भी उसे मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए एक जनवरी का इंतजार करना पड़ता था।

युवा मोर्चा ने मनाया विजय कारगिल दिवस सीता सागर के पास

दैनिक पुष्पांजलीं टुडे

दतिया। विजय वीर स्मारक युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर स्मारक पर माल्यार्पण कर एवं दीप जलाकर विजय कारगिल दिवस

मनाया इस मौके पर भाजपा जिला मंत्री अतुल भूरे चौधरी मंडल अध्यक्ष भाजपा रघुवीर कुशवाहा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह मंडल अध्यक्ष राहुल पुरोहित रिंकू बुंदेला संघर्ष यादव गोलू यादव राधवेंद्र बुंदेला कप्तान कुशवाह शाहरुख खान यश तिवारी दशरथ कुशवाहा संगम कुशवाह सहित बड़ी संख्या में युवा मोर्चा कार्यकर्ता मौजूद रहे

निर्विरोध बनी महिला उपसरपंच।

दिनारा। दिनारा कस्बे के ग्राम थनरा मैं उषा चतुर्वेदी को निर्विरोध उपसरपंच बनाया गया है जिसमें सभी मेंबर और गांव वासियों की सहमति से उपसरपंच बनाई गई उषा चतुर्वेदी ने सभी मेंबरों को ग्राम वासियों को धन्यवाद दिया। और कहां की सबसे ज्यादा जोर गांव के विकास के लिए दीया मौजूद रहे। सरपंच छोटू केवट। सचिव विशाल यादव आदि मौजूद रहे

कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन ने किया वृक्षारोपण

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर-ग्वालियर शहर की समाजसेवी संस्था कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन ने बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए सरकारी विद्यालय

में कई औषधीय पौधे एवं जामुन, जामफल जैसे कई फलदार पौधों का पौधरोपण किया।साथ ही इसमें विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं ने साथ दिया और उन पौधों को रोज पानी भी डालने का आश्वासन भी बच्चो ने दिया।कावेरी फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों ने हर महीने विद्यालय में जाकर उन पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी ली।संस्था अध्यक्ष हेमलता राव,सचिव पुर्णिमा अग्रवाल,कोषाध्यक्ष कंचन राव,संगठन मंत्री ऋषि जैन,उपाध्यक्ष प्रिया बाबरा एवम समस्त टीम सदस्यों के सहयोग से 21 पौधों का वृक्षारोपण का सफल कार्यक्रम सम्भव हो पाया।

लाड़कुई में सहकारी बैंक शाखा में लगी भीषण आग

सीहोर। मंगलवार सुबह लाड़कुई स्थित जिला सहकारी मर्यादित बैंक शाखा में आग लगने की सूचना से हड़कम्प मच गया। बैंक भवन से धुएं के गुबार उठते नजर आ रहे थे। अनुमान लगाया जा रहा है कि आग शार्ट सर्किट से लगी है। अंदर आग फैलने से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और कम्प्यूटर जैसे उपकरण जलने की बात भी कही जा रही है। इस घटना में लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई। फायर ब्रिगेड नसरुल्लागंज से बुलाई गई, इसलिए इसमें समय लगा। जानकारी अनुसार सुबह करीब 10 बजे जब बैंक बंद था, तभी बैंक से धुआं निकलता दिखाई दिया। आसपास के दुकानदारों ने तुरंत इसकी सूचना 100 डायल को दी। साथ ही फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। इस दौरान कुछ दस्तावेज, कम्प्यूटर और फर्नीचर आग में जल गया। बैंक के अधिकारी कर्मचारियों का कहना है कि बैंक में रखे दस्तावेजों को नुकसान हुआ है। पर हमारे पास पूरा डाटा सुरक्षित है। मूल रिकार्ड अभी भी

कल होगा अध्यक्षों का चुनाव

जिला और जनपद अध्यक्ष के चुनाव की जमावट में जुटीं भाजपा-कांग्रेस

भोपाल। 27 जुलाई से होने वाले जिला और जनपद पंचायत अध्यक्ष-उपाध्यक्ष की जमावट में भाजपा और कांग्रेस के नेता जुट गए हैं। भाजपा ने मंत्रियों को गृह और प्रभार के जिलों में अधिक से अधिक पार्टी समर्थक सदस्यों को अध्यक्ष-उपाध्यक्ष बनाने की जिम्मेदारी दी है। इसके मद्देनजर जिलों में बैठकों का सिलसिला शुरू हो गया है। सागर में मंत्री गोपाल भार्गव, भूपेन्द्र सिंह और गोविन्द सिंह राजपूत ने सदस्यों के साथ बैठक की। वहीं, कांग्रेस के पूर्व मंत्रियों, विधायकों और पार्टी के वरिष्ठ नेता सदस्यों के बीच समन्वय बनाएंगे।

प्रदेश की 313 जनपद पंचायत के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव दो चरण में 27 और 28 जुलाई को होना है। भाजपा का दावा है कि अधिकांश जनपद पंचायत में उसके समर्थक सदस्य निर्वाचित हुए हैं, इसलिए अध्यक्ष उनका ही बनेगा। वहीं, कांग्रेस भी अपने समर्थकों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष बनने की

बात कर रही है। दरअसल, चुनाव गैर दलीय आधार पर हुए हैं, इसलिए दोनों दल अपने-अपने दावे कर रहे हैं।

चुनाव होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी। वहीं, जिला पंचायत के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव 29 जुलाई को कलेक्टर कराएंगे। इसके लिए निर्वाचित सदस्यों का सम्मेलन होगा। भाजपा और कांग्रेस ने जिला और जनपद पंचायत चुनाव में अपने समर्थकों को अध्यक्ष-उपाध्यक्ष बनवाने के लिए वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी दी है। सागर, जबलपुर, निवाड़ी सहित अन्य जिलों में प्रभारी मंत्री सदस्यों के साथ बैठक कर चुके हैं।

संगठन स्तर पर भी बैठकों का सिलसिला चल रहा है। उधर, कांग्रेस की ओर से पूर्व मंत्री, विधायक और वरिष्ठ नेता सदस्यों के बीच समन्वय बनाने का काम कर रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा.गोविन्द सिंह भिंड में बैठक कर चुके हैं तो पूर्व मंत्री तरुण भनोत बालाघाट, सिवनी और जबलपुर में चुनाव का काम देख रहे हैं। भाजपा के प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल के मुताबिक पार्टी ने जनपद और जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव के लिए पर्यवेक्षक तैनात कर दिए हैं। सभी लोग क्षेत्र में पहुंच गए हैं। वे स्थानीय नेताओं के साथ बैठकर रणनीति बनाएंगे और फैसले लेंगे।

बाढ़ आपदा से निपटने होमगार्ड टीम द्वारा गौरी सरोवर में किया रैस्क्यू आपरेशन का डेमोस्ट्रेशन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । शहर के गौरी सरोवर में बाढ़ आपदा के समय रेस्क्यू ऑपरेशन का डेमोस्ट्रेशन जिला सेनानी होमगार्ड टीम द्वारा किया गया। इसमें बाढ़ आपदा के समय टीम मौजूद है तो बोट द्वारा लोगों को कैसे बचाया जा सकता है, टीम के मौके पर ना होने की स्तिथि में सूचना मिलने पर क्या रिएक्शन होते हैं, साथ ही बोट ना होने पर या अन्य संसाधन के अभाव में सिर्फ रस्सी और लाइफ बॉय की मदद से डूब रहे व्यक्ति को बचाया जा सकता है, का रेस्क्यू कर डेमोस्ट्रेशन दिया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर पराग जैन, प्लाटून कमांडर होमगार्ड धीरेन्द्र सिंह तोमर, अन्य अधिकारी

एवं होमगार्ड सैनिक उपस्थित थे।

डिप्टी कलेक्टर पराग जैन ने रेस्क्यू से जुड़े अन्य उपकरणों का भी अवलोकन किया। इस मौके पर डिप्टी कलेक्टर ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से जान और माल का काफी नुकसान होता है। यदि समय रहते आपदाओं का समुचित प्रबंधन कर लिया जाए तो हानि को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आपदाओं से निपटने के लिए प्रबंधन की आवश्यकता होती है। व्यक्तियों का कुशल प्रशिक्षित होना जरूरी है अन्यथा नुकसान होने की ज्यादा संभावना होती है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन के दौरान सावधानी रखना जरूरी है। सेनानी होमगार्ड टीम से उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी सावधानियों से भली-भांति परिचित हो जाएं। यही सावधानियां रेस्क्यू के दौरान मदद करेंगी।

मुंडन संस्कार के लिए मैहर जा रहे श्रद्धालुओं से भरा पिकअप वाहन पलटा, 26 लोग घायल

सतना। सतना जिले में रोजाना सड़क हादसों से लोगों की जानें जा रही हैं और दर्जनों लोग घायल हो रहे हैं। सतना से गुजरने वाला रीवा-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 लोगों के लिए काल बनता जा रहा है। मंगलवार को भी तड़के सतना में बड़ा हादसा हो गया, जहां मुंडन संस्कार के लिए रीवा के नईगढ़ी से मां शारदा के धाम मैहर जा रहे श्रद्धालुओं से भरा पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। पिकअप में 35 लोग ठूंस-ठूंस कर भरे हुए थे, जिनमें से 26 लोगों को चोटें आई हैं, जबकि चार लोग गंभीर रूप से

घायल हुए हैं। घटना जिले के मैहर स्थित नादन देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कंचनपुर कटिया मोड़ के पास सोमवार-मंगलवार देर रात 1.45 बजे के आस-पास की है।

26 जुलाई को केवट समाज के लोग रीवा के नईगढ़ी से मैहर मुंडन कार्यक्रम के लिए पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 18 जीए 4310 से जा रहे थे। वाहन जैसे ही थाना देहात के ग्राम कंचनपुर कटिया मोड़ के पास पहुंचा तो आधी रात लगभग 1.45 बजे पिकअप वाहन के चालक को नींद की झपकी लगी। नींद की झपकी लगने से अचानक सामने अन्य वाहन आते हुए चालक को दिखाई दिए, जिससे वाहन अनियंत्रित हो गया और पिकअप वाहन पलट गया। मालवाहक पिकअप वाहन में 35 लोगों को ठूंस-ठूंस कर बैठाया गया था। जैसे ही वाहन पलटा तो वाहन में बैठे लोगों में चीख-पुकार मच गई।

हाईकोर्ट ने पीएससी को फटकारा, हमारे कंधे पर बंदूक रखकर न चलाओ

कभी भी चयन प्रक्रिया पर रोक लगाने नहीं दिए आदेश

जबलपुर। मध्यप्रदेश में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण मामले पर सोमवार को हाईकोर्ट में अहम सुनवाई हुई। गौरतलब है कि ओबीसी आरक्षण से जुड़ीं 63 याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। शुरुआती बहस में एमपीपीएससी द्वारा अंतरिम आवेदन पेश किया गया। एमपीपीएससी ने दलील दी कि हाईकोर्ट सिलेक्शन प्रॉसेस को 113 प्रतिशत के लिहाज से करने अंतरिम आदेश जारी करे। लम्बे समय से चयन प्रक्रिया रुकी है। वहीं मामले में हाईकोर्ट की डिविजन बेंच ने एमपीपीएससी को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि हमने कभी भी चयन प्रक्रिया पर रोक लगाने के आदेश नहीं दिए। आप 14 प्रतिशत आरक्षण के साथ आगे बढ़े। हमारे कंधे पर बंदूक रखकर न चलाएं।

वहीं कोर्ट ने कहा, सुप्रीम के आदेश के तहत मामलों की जल्द सुनवाई पूरी करनी है। अब पक्षकारों की अनुपस्थिति से किसी भी कारण सुनवाई नहीं टलेगी। 1 अगस्त से ओबीसी आरक्षण पर दोपहर 3:30 बजे नियमित सुनवाई होगी। हर बार सुनवाई के लिए 1 घंटे नियत किए गए है। बता दें कि मध्यप्रदेश में कमलनाथ सरकार के दौरान ओबीसी वर्ग को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गई हैं। अब 1 अगस्त से इस मामले में सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान लगभग 100 ओबीसी के चयनित शिक्षक याचिका कर्ता मौजूद रहे। राज्य की ओर से महाधिवक्ता प्रशान्त सिंह जबकि याचिकाकर्ता की ओर से राज्य द्वारा नियुक्त ओबीसी के विशेष अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने पक्ष रखा।

कल से शुरू होगा वाहन सर्वर, लोगों को मिलेंगी कई सुविधाएं

इंदौर। केंद्र सरकार के वाहन सर्वर की विदिशा में हुए सफल ट्रायल के बाद बुधवार से इस व्यवस्था को इंदौर सहित पूरे प्रदेश में लागू कर दिया जाएगा। भोपाल में प्रदेशभर के आरटीओ अधिकारियों को इस संबंध में प्रशिक्षण देने के साथ डीलरों को भी इसका प्रशिक्षण दे दिया गया है। अभी यह व्यवस्था नए वाहनों के लिए शुरू हो रही है।

एआरटीओ हृदयेश यादव ने बताया कि अभी नए वाहन ही इस सर्वर पर पंजीकृत किए जाएंगे। पुराने वाहनों के लिए व्यवस्था अभी देरी से शुरू की जाएगी। नई व्यवस्था में काम तेजी से हो जाएगा। डीलरों के यहां पर काम हो जाएगा। लोगों को आरटीओ आने की जरूरत ही नहीं होगी। इसके अलावा वाहन सर्वर की व्यवस्था लागू होते ही प्रदेश में डीलरों को वाहन पंजीयन करवाने के अधिकार मिल जाएंगे।

इसके अलावा उन्हें एक प्रमुख अधिकार यह भी मिल जाएगा कि वह अपने शहर में बेचे वाहन को प्रदेश के किसी जिले के आरटीओ में पंजीयन करवा सकेंगे। प्रदेश के बड़े शहरों के लिए यह काफी फायदेमंद होगा। इंदौर में लगभग हर बड़ी कार कंपनी के शोरुम उपलब्ध है। यहां पर कंपनी द्वारा निर्मित सभी माडल मिल जाते है। दूसरे जिले के लोग इंदौर से वाहन लेते है। इससे उन्हें फायदा हो जाएगा। इंदौर से हर माह करीब 300 अस्थाई पंजीयन प्रमाण पत्र जारी होते है।

अप्राकृतिक संबंध बनाने को मजबूर करते थे सीनियर

इंदौर के MGM मेडिकल कॉलेज में रैगिंग

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का मामला गरमा गया है। एंटी रैगिंग कमेटी को पड़ताल में रैगिंग के कई साक्ष्य मिले हैं। कमेटी की अनुशंसा पर संयोगितागंज पुलिस ने सीनियर स्टूडेंट्स के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। सीनियर स्टूडेंट्स, फर्स्ट ईयर के स्टूडेंटस की तीन माह से रैगिंग ले रहे थे। सीनियर स्टूडेंट्स अपने जूनियर्स को उनके साथियों के साथ अप्राकृतिक संबंध करने को बाध्य करते थे। साथ ही छात्राओं पर अश्लील कमेंट्स भी करवाते थे। एक जूनियर स्टूडेंट ने इन सीनियर्स के खिलाफ तमाम टेक्निकल एविडेंस जुटाए हैं। इसकी शिकायत दिल्ली यूजीसी और वहां की एंटी रैगिंग कमेटी को भेजी। इसके बाद मामला डीन तक पहुंचा और ऑडियो, चैटिंग, लोकेशन सहित तमाम एविडेंस पुलिस को सौंपे। रैगिंग का यह मामला कॉलेज परिसर का नहीं है पीड़ित स्टूडेंट ने जिन आठ-दस फ्लैट में उसे प्रताड़ित किया और गलत हरकत करवाई वहां की लोकेशन, ऑडियो रिकॉर्डिंग आदि जुटा ली।

सरकारी नौकरी का इंतजार का कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर

एमपीईबी की ओर से प्रदेश में 2500 से अधिक पदों पर जल्द होगी भर्ती

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी नौकरी का इंतजार का कर रहे युवाओं के लिए एक अच्छी खबर है। एमपीईबी में जल्द ही नई भर्तियां शुरू की जाएंगी। मध्यप्रदेश प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड (एमपीईबी) द्वारा सब इंजीनियर सहित कई पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है।

पीईबी द्वारा कई परीक्षाओं के संबंध में कैलेंडर जारी किया गया है। जिसमें बताया गया है की जल्द ही कई पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। इस भर्ती अभियान की शुरुआत एक अगस्त 2022 से की जाएगी। इन पदों के लिए उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइटpeb.mponline.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए उम्मीदवार 16 अगस्त तक आवेदन कर पाएंगे। इसमें सब इंजीनियर और ड्राफ्ट्समैन सहित 2557 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। वहीं ग्रुप 1-2 व 5 सहित अन्य परीक्षा के जरिए 15 हजार पदों पर भर्तियां होगी। अक्टूबर में होने वाली भर्तियों में से जल्दी ग्रुप 1 सब ग्रुप 3 के रिक्त पदों के लिए आवेदन जल्द शुरू किए जाएंगे। वही एमपीपीईबी के परीक्षा कैलेंडर की मानें तो इसके लिए परीक्षा अक्टूबर महीने में आयोजित की जाएगी।

आयु सीमा

इन पदों पर भर्ती के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवार की कम से कम उम्र 18 साल और अधिकतम आयु 40 वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को आयु सीमा में छूट मिलेगी।

कैसे होगा चयन

इन पदों पर उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा के आधार पर होगा, जिसका आयोजन 24 सितंबर को सुबह 9 बजे से 12 बजे तक और दोपहर 2:30 बजे से 5:30 बजे तक किया जाएगा। परीक्षा का आयोजन भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, नीमच, रतलाम, मंदसौर, सागर, सतना, खंडवा, सीधी और रीवा में किया जाएगा।

हर घर लहराए तिरंगा, प्रशासन प्राण-प्रण से जुटा अभियान को सफल बनाने

जबलपुर। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत लोगों को राष्ट्रीय गौरव से परिचित कराने के लिए 11 अगस्त से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जाएगा, जिसके अंतर्गत शासन द्वारा 13 से 15 अगस्त तक हर-घर तिरंगा फहराने के निर्देश जारी किए गए हैं। अत: सभी से अपेक्षा की जा रही है कि वो न केवल झंडा फहराएं बल्कि तिरंगे के साथ सेल्फी लें और फोटो अपलोड करें। इसके लिए प्रशासन की ओर से तमाम संबंधित अधिकारियों को अभियान की सफलता के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। आजादी के अमृत महोत्सव पर हर-घर तिरंगा फहराने की तैयारी हो रही है। इसमें आम लोगों, शासकीय और गैर शासकीय संस्थानों को जोड़ा जा रहा है। जिले में पांच लाख झंडे तैयार हो रहे हैं। जिला प्रशासन की ओर से इस दिशा में तैयारी की जा रही तेज कर दी है। स्थानीय स्तर पर तिरंगे का निर्माण स्व-सहायता समूह के माध्यम से करवाया जा रहा है।

'हर घर तिरंगा' अभियान में स्वयंसेवी संगठन एवं जनप्रतिनिधिगण सक्रिय भागीदारी निभायेंगे

कलेक्टर श्री सिंह की मौजूदगी में अभियान की तैयारियों को लेकर हुईं बैठकें

ग्वालियर। 'हर घर तिरंगा' अभियान में क्राइसेस मैनेजमेंट समूह एवं स्वयंसेवी व खेल संगठन भी बढ़चढ़कर योगदान देंगे। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की मौजूदगी में मंगलवार को आयोजित हुई क्राइसेस मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों एवं स्वयंसेवी व खेल संगठनों की अलग-अलग बैठकों में सभी ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का भरोसा दिलाया है। जन - जन में देशभक्ति की भावना जागृत करने और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के उद्देश्य से ग्वालियर जिले में भी 11 से 17 अगस्त तक ÷हर घर तिरंगा÷ अभियान चलाया जायेगा।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में कहा कि हमारे प्रयास ऐसे हों, जिससे लोग स्वेच्छा से अपने घर, दुकान, प्रतिष्ठान, कार्यालय इत्यादि में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिये प्रेरित हों। उन्होंने आग्रह किया कि हर घर तिरंगा अभियान के प्रति जनजागरण के लिये स्थानीय स्तर पर रैलियाँ व प्रभात फेरियाँ भी निकाली जाएँ। कलेक्टर ने यह भी कहा कि झण्डा फहराते समय राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान व गरिमा का पूरा ध्यान रखा जाए। अर्थात सभी लोग ध्वज संहिता का पालन करते हुए राष्ट्रीय ध्वज फहराएँ।

बैठक में जानकारी दी गई कि ग्वालियर शहर में 25 क्षेत्रीय कार्यालयों सहित शहर के प्रमुख मार्ट, दुकानों व अन्य संस्थानों में सशुल्क राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध रहेंगे। शहर में लगभग 150 स्थानों पर ध्वज उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है।

क्राइसेस मैनेजमेंट समूह की बैठक में संत कृपाल सिंह जी, श्री देवेश शर्मा व श्री वीरेन्द्र जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उपयोगी सुझाव दिए। साथ ही हर घर तिरंगा अभियान में पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया। अपर कलेक्टर श्री इच्छित गढ़पाले एवं अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुकुल गुप्ता ने अभियान के बारे में उपयोगी जानकारी दी। बैठक में जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. विजय दुबे व जन अभियान परिषद के जिला अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र दीक्षित सहित विभिन्न स्वयंसेवी व खेल संगठनों के प्रतिनिधिगण मौजूद थे।

झण्डा संहिता

-भारत का राष्ट्रीय ध्वज जिसे तिरंगा भी कहते हैं, तीन रंग की क्षैतिज पट्टियों के बीच नीले रंग के अशोक चक्र द्वारा सुशोभित ध्वज है।

-राष्ट्रीय ध्वज खादी, कॉटन, रेशम या पॉलिस्टर से ही निर्मित हो। इसकी लंबाई एवं चौड़ाई का अनुपात 2 = 3 होना चाहिए।

-राष्ट्रीय ध्वज इस तरह से लगाया जाना चाहिए कि केसरिया रंग सबसे ऊपर हो। बीच में श्वेत, नीचे हरा रंग होना चाहिए। सफेद पट्टी में अशोक चक्र अंकित होना चाहिए। जिसमें 24 तीलियाँ होनी चाहिए।

-राष्ट्रीय ध्वज को हाफ मास्ट (आधे डण्डे) पर नहीं फहराया जाना चाहिए।

-ध्वज पर कुछ भी लिखा या छपा नहीं होना चाहिए।

-फटा हुआ या क्षतिग्रस्त ध्वज नहीं फहराना चाहिए।

-किसी भी स्थिति में राष्ट्रीय ध्वज जमीन पर टच नहीं होना चाहिए।

-किसी भी दूसरे झंडे को राष्ट्रीय झंडे के समीप ऊँचा नहीं रख सकते, न लगा सकते हैं।

-राष्ट्रीय ध्वज को क्षतिग्रस्त होने, गंदा होने या अभियान समाप्ति उपरांत सार्वजनिक स्थल पर या ऐसे स्थान पर नहीं फेंका जाना चाहिए, जिससे ध्वज के सम्मान को ठेस पहुँचे।

-राष्ट्रीय ध्वज को हर घर तिरंगा अभियान की समाप्ति पर निजी तौर पर धोकर तथा तदुपरांत सहेजकर घर में ही सुरक्षित स्थान पर रखा जाना चाहिए।

निगमायुक्त ने सुनी आमजन की समस्यायें, दिए निराकरण के निर्देश

ग्वालियर। जनसुनवाई में आने वाले आवेदनों को गंभीरता से सुनकर उनका त्वरित निराकरण करायें। उक्ताशय के निर्देश आज निगमायुक्त श्री किशौर कन्याल ने जनसुनवाई सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को दिये। जनसुनवाई के दौरान अपर आयुक्त श्री मुकुल गुप्ता व उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, सुश्री मिनी अग्रवाल सहित विभागाधिकारी उपस्थित रहे।

सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई के वार्ड 55 शिवाजी नगर आमखो के श्री शैलेन्द्र सिंह तोमर ने अवैध अतिक्रमण को तोडने के संबंध में, वार्ड 24 जलाल खॉ की गोठ सुभाष पार्क निवासी सादिक ने आम रास्ते पर अतिक्रमण को हटाये जाने के संबंध में, वार्ड 39 के श्री दिनेश राठौर एवं क्षेत्रीय निवासियों ने शासकीय सम्पत्ति से अवैध अतिक्रमण हटाये जाने के संबंध में, वार्ड 20 के श्री भरत सिंह बाथम ने शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाये जाने के संबंध में अपना आवेदन निगमायुक्त श्री कन्याल को दिया। जिस पर निगमायुक्त श्री कन्याल ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, विद्युत, आवास, सीवर सफाई आदि से संबंधित एक दर्जन से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश निगमायुक्त ने दिए।

पौध-रोपण इस प्रकार से हो जिससे रोपे गए पौधे पेड़ बन सकें

कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में अंकुर अभियान को लेकर हुई बैठक

ग्वालियर। अधिक से अधिक पौधे रोपें और उनका संरक्षण करें, जिससे लगाए गए पौधे पेड़ बन सकें। रोपे गए पौधों के फोटोग्राफ वायुदूत एप पर भी अपलोड करें। यह बात कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने अंकुर अभियान को जनअभियान बनाने के उद्देश्य से आयोजित हुई स्वयंसेवी व अन्य संगठनों की बैठक में कही। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार द्वारा सभी के सहयोग से शहर व गाँव में हरीतिमा लाने के उद्देश्य से अंकुर अभियान के नाम से वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। सभी के सहयोग से ही यह अभियान सफल होगा। बैठक में जनअभियान परिषद के नेतृत्व में आए स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भरोसा दिलाया कि वे हर साल की तरह इस साल भी अंकुर अभियान के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने के लिये लोगों को प्रेरित करेंगे। साथ ही अपने स्तर पर भी पौधे रोपेंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले के हर शहर व गाँव में हरियाली अमावस्या को वृहद स्तर पर पौध रोपण का काम किया जाए। मंगलवार को आयोजित हुई बैठक में अपर कलेक्टर श्री इच्छित गढ़पाले, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री मुकुल गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. विजय दुबे, जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री शैलेन्द्र दीक्षित तथा विभिन्न स्वयंसेवी व खेल संगठनों के प्रतिनिधिगण मौजूद थे।

गंदगी फैलाने वाली भैंस डयरियों से वसूला 10 हजार रूपये का जुर्माना

ग्वालियर। अनुपम नगर व पंचशील नगर में दो भैंस डेयरी पर गंदगी फेलाने व गोबर कलेक्शन वाहन को गोबर न दिये जाने के कारण 10 हजार रूपये के जुर्माने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान उपायुक्त श्री अमर सत्य गुप्ता, मदाखलत अधिकारी ग्वालियर पूर्व श्री शैलेंद्र सिंह चौहान सहित निगम अमला मौजूद रहा। स्वास्थ्य अधिकारी ग्वालियर पूर्व श्री किशोर चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशानुसार शहर में गंदगी फेलाने वालों पर जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही भैंस डेयरियों से गोबर कलेक्शन के लिये निगम ने अपने वाहन लगाये हैं। फिर भी भैंस डेयरियों द्वारा गोबर कलेक्शन वाहन को गोबर नहीं दिया जा रहा है। उनके द्वारा रोड पर या अन्य जगह पर डालकर गंदगी की जा रही थी। इसीलिये निगम अमले ने अनुपम नगर व पंचशील नगर में श्री प्रकाश सिंह बघेल व श्री राजकुमार दंडोतिया की भैंस डेयरियों पर 10 हजार रूपये का जुर्माना लगाकर वसूल किया। साथ ही हिदायत दी की आंगे से गोबर कलेक्शन वाहन में ही गोबर डालें।

कोविड-19 का प्रिकॉशन डोज सभी क्षेत्रीय कार्यालयों पर लगेगा निशुल्क आज

ग्वालियर। कोविड वैक्सीन अमृत महोत्सव के तहत 27 जुलाई को नगर निगम के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों पर कोविड-19 वैक्सीनेशन महाअभियान के तहत 18 वर्ष से अधिक के सभी पात्र नागरिकों को प्रिकॉशन डोज निशुल्क लगाई जा रही है। यह डोज प्रातः 9:00 से सांय 5:00 बजे तक लगाया जाएगा। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने जानकारी देते हुए बताया कि कोविड वैक्सीन अमृत महोत्सव के अन्तर्गत दिनांक 15 जुलाई 2022 से 30 सितम्बर 2022 तक 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के पात्र नागरिकों का जन अभियान के रूप में कोविड 19 टीके का प्रिकॉशन डोज निशुल्क दिया जा रहा है।

शहीदों की विरासत को सहेजना सबसे बड़ा कर्तव्यः डॉ. धर्मेन्द्र सिंह चौहान

करगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में मशाल यात्रा के बाद हुआ दीप प्रज्जवलन

ग्वालियर, जिन शहीदों की बदौलत आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं, हम अपने आपको सुरक्षित महसूस करते हैं क्योंकि हमारी सीमाओं की सुरक्षा उन वीर जवानों के हाथ में हैं जो अपनी जान की बाजी लगाकर हमारी रक्षा करते हैं। ऐसे शहीदों की विरासत को सहेजना हम सबकी जिम्मेदारी भी है और कर्तव्य भी है। यह बात करगिल विजय दिवस समारोह के दौरान सहयोग लोक न्यास के संस्थापक डॉ. धर्मेन्द्र सिंह चौहान ने कही। कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को कुंजविहार कॉलोनी स्थित शौर्य स्मारक पर किया गया।

समारोह का शुभारंभ मशाल जुलूस के साथ किया गया। एक सैकड़ा से भी अधिक लोग हाथ में जलती हुई मशाल लेकर देशभक्ति के तरानों पर झूमते हुए जब कुंजविहार कॉलोनी की गलियों से निकले तो संपूर्ण वातावरण भारत माता की जय के उद्घोषों से गूंज उठा। मशाल जुलूस शौर्य स्मारक से प्रांरभ होकर शौर्य स्मारक पर ही समाप्त हुआ। यहां पर सभी आगंतुकों, भूतपूर्व सैनिकों व शहीदों के परिजनों ने दीप प्रज्ज्वलन कर अमर शहीदों को नमन किया।

सहयोग लोक न्यास पिछले कई सालों से अमर शहीदों, उनके परिजनों और भूतपूर्व सैनिकों के बारे में नागरिकों के मध्य जागरूकता पैदा करने एवं उनके परिवार का हिस्सा बनने के लिये प्रेरित करता आ रहा है। इसके अतिरिक्त न्यास पर्यावरण और शिक्षा के क्षेत्र में भी निरंतर कार्यरत है। न्यास द्वारा 16 दिसंबर 2022 को एक पुस्तक का भी विमोचन किया जा रहा है जिसमें चंबल संभाग के सभी अमर शहीदों, युद्ध में उनके शौर्य और बलिदान एवं उनके परिजनों के बारे में जानकारी होगी।

करगिल विजय दिवस समारोह में इफ्को डायरेक्टर डॉ. अमित प्रताप सिंह, क्षेत्रीय पार्षद एवं भूतपूर्व सैनिक बलवीर सिंह तोमर, सेवानिवृत्त सूबेदार मेजर भारत सिंह भदौरिया, तहसीलदार डॉ. धर्मेन्द्र सिंह चौहान, आयोजन समिति के विजय सिंह राठौर, एडवोकेट संदीप सिंह भदौरिया, सोनू शर्मा, अखिलेश सिंह, कुशवाह, सविराज (वीरू भैया), पंकज सिंह कुशवाह, आदर्श तिवारी, विनोद सिंह कुशवाह, मीडिया प्रभारी गोपाल गुप्ता पहारिया, कई पूर्व वायुसैनिक एवं भूतपूर्व सैनिकों सहित लगभग 200 से अधिक लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बेरोजगार युवाओं को नौकरी पाने का सुनहरा मौका

रोजगार कार्यालय में 28 जुलाई को प्लेसमेंट ड्राइव

ग्वालियर। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश निर्माण के तहत जिला रोजगार कार्यालय द्वारा यशस्वी अकादमी फॉर टैलेन्ट मैनेजमेंट (पीपीपी) के सहयोग से 28 जुलाई को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया है। इस दिन यह रोजगार मेला प्रातः 11 बजे से गोले का मंदिर-मुरैना लिंक रोड पर गदाईपुरा स्थित रेडीमेड गारमेंट पार्क परिसर में आयोजित होगा। प्लेसमेंट ड्राइव में 5 जानी-मानी कंपनियां कैम्पस भर्ती करने आ रही हैं। प्लेसमेंट ड्राइव में 10वीं व 12वीं कक्षा से लेकर आईटीआई, बीटेक व अन्य स्नातक योग्यताधारी युवक-युवतियों के लिये नौकरी के अवसर प्राप्त होंगे। चयनित युवाओं को विभिन्न पदों के अनुसार 8 हजार से लेकर 40 हजार रूपए तक का वेतन मिलेगा। उपसंचालक जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस प्लेसमेंट ड्राइव में 5 कंपनियां बेरोजगार युवाओं को नौकरी के लिए चयनित करने आ रही हैं। इंजीनियर्स कम्बाइन कंपनी द्वारा टेक्नीकल हैड, सेल्स एक्जीक्यूटिव, डाटा एंट्री ऑपरेटर, स्पेस टेलीकॉम कंपनी द्वारा ऑफिस स्टाफ, सेल्स एक्जीक्यूटिव व कम्प्यूटर ऑपरेटर, मुथूट माइक्रो फायनेंस कंपनी द्वारा रिलेशनशिप ऑफीसर व फील्ड ऑफीसर, टेकनोसिम ट्रेनिंग सर्विस कंपनी द्वारा स्टूडेंट ट्रेनी एवं नाओकॉल 24 नेटवर्क इंडिया प्रा.लि. द्वारा फील्ड सेल्स एक्जीक्यूटिव पदों पर भर्ती की जायेगी। प्लेसमेंट ड्राइव में आने वाले सभी युवक-युवतियों से आग्रह किया गया है कि वे मास्क लगाकर आएँ और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। साथ ही अपनी शैक्षणिक योग्यता और अन्य प्रमाण पत्रों को जरूर साथ में लेकर जाएं।

कृषक एवं कृषक समूहों को मिलेंगे आकर्षक पुरस्कार

31 अगस्त तक आवेदन माँगे

ग्वालियर। आत्मा परियोजना के तहत कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं कृषि यंत्रिकरण के क्षेत्र में जिला व विकासखण्ड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक तथा सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार दिए जायेंगे। इसके लिये मेला रोड़ पर स्थित परियोजना संचालक ÷आत्मा÷ के कार्यालय में 31 अगस्त तक आवेदन जमा किए जा सकते हैं। परियोजना संचालक आत्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के तहत 10 हजार रूपए, सर्वोत्तम कृषक समूह के पुरस्कार के तहत 20 हजार रूपए और जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के तहत 25 हजार रूपए का नगद पुरस्कार दिया जायेगा। इन पुरस्कारों के लिए इच्छुक कृषक एवं कृषक समूह अपने-अपने आवेदन संबंधित जनपद पंचायत के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों का मूल्यांकन निर्धारित प्रक्रिया के तहत जिला स्तरीय मूल्यांकन समिति द्वारा किया जाएगा। पुरस्कारों के चयन में कलेक्टर सह अध्यक्ष आत्मा गवर्निंग बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा। विस्तृत जानकारी के लिये परियोजना संचालक आत्मा जिला ग्वालियर के कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

आगरा-झांसी पैसेंजर का ठहराव पूर्व की तरह सभी स्टेशनों पर हो- शेजवलकर

ग्वालियर। ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने आगरा-झांसी पैसेंजर का ठहराव अनंत पेठ, सिमरिया, कोटरा और सिथौली स्टेशन पर पुनः करवाने के संदर्भ में रेल विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया है। आगरा-झांसी पैसेंजर 11807ञ्च11808 ग्वालियर क्षेत्रवासियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण ट्रेन है। कोरोना काल के बाद संचालित इस ट्रेन का झांसी से आगरा के बीच कई छोटे स्टेशनों के ठहराव खत्म कर दिए। जिससे उपरोक्त स्टेशनों के यात्रियों को बहुत असुविधा हो रही है। साथ ही उपरोक्त पैसेंजर ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों को एक्सप्रेस का किराया चुकाना पड़ रहा है, इससे यात्रियों पर आर्थिक बोझ बढा है, जबकि पूर्व में पैसेंजर का ही किराया लगता था। श्री शेजवलकर ने कहा कि जनहित को दृष्टिगत रखते हुए इस ट्रेन का ठहराव पुनः उपरोक्त स्टेशनों पर करने एवं एक्सप्रेस की जगह पैसेंजर का किराया लिए जाने की कार्यवाही करने का कष्ट करें।

कामधेनु राष्ट्रीय गौ रक्षा समिति द्वारा मध्य प्रदेश राज्य उपाध्यक्ष बनाया गया है विनोद जाट

ग्वालियर। कामधेनु सेना के संस्थापक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी श्री कुशालगिरी जी महाराज जी ÷ के आशीर्वाद से एवं मध्य प्रदेश अध्यक्ष ÷श्री रविदास वैष्णव जी÷ एवं ईश्वर गिरी जी की अनुशंसा पर मुझे आज ÷राष्ट्रीय गौ रक्षक समिति÷ कामधेनु सेना÷ में मध्य प्रदेश राज्य उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है, मैं अपने पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए आप सभी को आशा एवं विश्वास दिलाता हूं की गौ रक्षाअर्थ के लिए ÷कामधेनु सेना÷ का मध्य प्रदेश में ही नहीं बल्कि भारत के प्रत्येक राज्य में ÷कामधेनु सेना ÷के विस्तार एवं कार्यों के प्रति सजग रहते हुए निस्वार्थ भावना से कार्य करूंगाद्य मैं कामधेनु सेना के संस्थापक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी ÷कुशालगिरी जी महाराज÷, प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश ÷श्री रविदास वैष्णव जी÷, ईश्वर गिरी गोस्वामी÷ जी एवं कामधेनु सेना के वरिष्ठ पदाधिकारी गणों का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण शिकायतकर्ता की संतुष्टि के साथ करें: निगमायुक्त श्री कन्याल

ग्वालियर। सीएम हेल्पलाइन के तहत आने वाली शिकायतों का निराकरण शिकायतकर्ता की संतुष्टी के साथ निर्धारित समयसीमा में गम्भीरता से पूर्ण करें । प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी क्षेत्र में भ्रमण कर समस्याओं को देखें तथा उनका निराकरण स्वयं खडे होकर करायें। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में अपर आयुक्त श्री मुकुल गुप्ता, उपायुक्त श्री एपीएस भदौरिया, सुश्री मिनी अग्रवाल, नोडल अधिकारी सीएम हेल्पलाइन डा प्रदीप श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निगम के प्रशासनिक भवन के सभागार में आयोजित बैठक में निगमायुक्त श्री कन्याल ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की, जिसमें नोडल अधिकारी डॉ प्रदीप श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि जून माह की कुल 3438 शिकायतें अभी तक लंबित हैं, जिसमें विभिन्न विभागों की शिकायतें लंबित हैं जिस पर निगमायुक्त श्री कन्याल ने सभी शिकायतों का संतुष्टीपूर्ण निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों से बारी बारी से चर्चा करते हुए समय सीमा में तत्काल निराकरण कराने के निर्देश दिए। निगमायुक्त श्री कन्याल ने कहा कि बरसात के दिनों में सीवर, पेयजल व साफ सफाई की समस्यायें अधिक आती हैं। इसलिये संबंधित अधिकारी इन शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के साथ करें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478